04 - समान नागरिक संहिता-विमर्श

05 - देश में जीवन बीमा को नियंत्रित करने वाले कानून

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 2 सितम्बर , 2024

06 - कलेक्टर ने सीएमएचओ, सिविल सर्जन को लगाई फटकार

07- आँखों भर आकाश, बाहों भर संसार : 'विश्वरंग' मॉरीशस 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-5 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

पहली बात

गरीबी का इंडेक्स और अडानी की चमकार

उमेश त्रिवेदी

संपादक

9893032101

भारत में गरीबी, मुफलिसी और भूख के स्याह इंडेक्स में भारी उछाल के बीच देश के मीडिया में इस बात पर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई पड़ रही है कि 'हुरून इंडिया रिच 2024' की ताजा सूची में गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी की सल्तनत को पछाड़ते हुए भारत और एशिया के सबसे बड़े अमीर व्यक्ति का ताज हासिल कर लिया है। काफी समय से यह ताज मुकेश अंबानी के माथे पर था। इसी बीच 'वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब' की रिपोर्ट तालियों की ताल में किलकारी भरती अमीरी की अनुगूंज में आर्तनाद घोल रही है कि भारत मे अमीरी-गरीबी की खाई ज्यादा गहरी होने लगी है। 'वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब' पेरिस की संस्था है, जिसने हाल ही में जारी अपने शोध-पत्र में यह खुलासा किया है।

रिपोर्ट के अनुसार देश के शीर्ष एक फीसदी तबके की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच चुकी है। इसके अनुसार सन् 2023 तक देश की कुल संपत्ति का 40 फीसदी हिस्सा भारत में सबसे अमीर 1 फीसदी लोगों के कब्जे मे था और देश की कुल आय का 22.6 प्रतिशत उनके खातों में जमा हो रही है। गरीबी और अमीरी की बीच गहराती खाई चिंताजनक आर्थिक परिस्थितिओं की इशारा करती है। भारत में गरीबी एक जटिल मुद्दा है, जिसके कारणों का विस्तार बहुआयामी है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों के बैक-ड्रॉप में गरीबी की भयावहता चिंताजनक है। आर्थिक शोषण, व्यापार में असंतुलन, स्वदेशी उद्योगों के लिए प्रतिकूलताएं, वित्तीय एकाधिकार जैसी औपनिवेशिक प्रवृत्तियों का साया आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडरा रहा है।

वस्तुस्थिति यह है कि भारत अमीरी-गरीबी के गहरे विरोधाभासों के बीच जी रहा है। ये विरोधाभास भारत को दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की राह में सबसे बड़ा अवरोध हैं। अर्थव्यवस्था के संसाधनों का सिर्फ दो घरानों के बीच केन्द्रीकरण देश की विकास की धारा को सीमित करने की आशंकाओं को व्यापक बनाता है। इस बात पर गौर करना जरूरी है कि अमीर ज्यादा अमीर क्यों होते जा रहे हैं और गरीबों पर गरीबी का शिकंजा क्यों कसता जा रहा है?

अर्थव्यवस्था से जुड़े अनेक अनुत्तरित सवालों के बीच मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के मामलों में केन्द्र-सरकार के रूझान में कमी नजर नहीं आ रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक 21वीं सदी में विश्व में आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना संजोने वाली मोदी-सरकार विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाने वाली है। सीएनएन की राय में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के मामले में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी कारगर भूमिका निबाह सकते हैं। इसलिए उनका महत्व हर हाल में बना रहेगा।

वैसे भी दुनिया के आर्थिक परिदृश्य में अंबानी-अडानी की धाक को नजरअंदाज करना मुश्किल है। गौरतलब है कि एक महिने पहले ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक मुकेश अंबानी दुनिया में 11वें और गौतम अडानी 12वें स्थान पर थे। अब 'हुरून इंडिया' की नई रिपोर्ट में एशिया की सूची में अडानी आगे और अंबानी पीछे हो गए हैं। हुरून इंडिया रिच 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक 1539 भारतीय ऐसे हैं, जिनकी कुल संपत्ति 1000 करोड़ से ज्यादा है। 31 जुलाई 2024 के आंकड़ों के मुताबिक इस सूची में गौतम अडानी पहले क्रम पर और मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर काबिज हैं। दिलचस्प यह है कि पिछले एक साल में भारत में लगभग हर 5 दिन में 1 नया अरबपति उभरा है। सूची मे यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि इन दोनों की दौलत का आकार कितना बड़ा है और वो देश की इकानॉमी में कितना बड़ा योगदान दे रहे हैं?

वैसे भी भारत में अमीरी के मायावी-इंडेक्स में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच 'ऊंच-नीच' की कहानी स्कूल के मैदानों में खेले जाने वाले 'सी-सॉ' के खेल जैसी है, जिसमें कभी अंबानी ऊपर नजर आते हैं, तो कभी अडानी ऊपर दिखाई पड़ते हैं। 'सी-सॉ' खेल में खिलाड़ी अपनी वजनदारी का इस्तेमाल समझदारी से करता है, ताकि खेल का आनंद लिया जा सके। तथ्य यह है कि देश के मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में पहली-दूसरी पायदान पर इन दोनो हस्तियों में किसी एक का होना निश्चित है। पहले क्रम पर इनका होना या नहीं होना मार्केट की परिस्थितियों पर निर्भर है। इस मामले में भी किसी को कोई मलाल नहीं होना चाहिए, क्योंकि मार्केट की चाबी भी इन्ही लोगों के हाथों में है। अमीरों की सूची में इनके ऊपर-नीचे होने से इनकी हस्ती और हैसियत में कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि इन उतार-चढ़ावों से देश की आर्थिक नीतियों के निर्धारण और नियंत्रण में इनकी भूमिका कमतर नहीं होती है।

'सी-सॉ', जिसे 'टीटर-टॉटक' के नाम से भी जाना जाता है, एक लंबा, संकरा बोर्ड होता है, जिसे एक ही धुरी बिंदु द्वारा सहारा दिया जाता है, जो आमतौर पर दोनो सिरों के बीच मध्य बिंदु पर स्थित होता है। जैसे ही एक छोर ऊपर जाता है, दूसरा नीचे चला जाता है। आमतौर पर 'सी-सॉ' पार्कों और स्कूल के मैदानों में खेला जाता है। दुनिया में इस खेल का प्रचलन 460 ईसा पूर्व से माना जाता है। यांत्रिक तौर पर सीसॉ एक लीवर है जिसमें बीम और फलक्रम होता है, जिसके दोनो ओर प्रयास और भार होता है। इस खेल की विशेषता यह है कि इसमें बारी-बारी से 'सी-सॉ' पर बैठे दोनों खिलाड़ियों को क्रमशः ऊपर-नीचे होने का समान अवसर मिलते हैं, जब तक कि कोई एक खिलाड़ी यह नहीं ठान ले कि अब सामने बैठे व्यक्ति को किसी भी कीमत पर ऊपर नहीं आने देना है। बहरहाल, इंडियन-इकानॉमी के इस सी-सॉ में भले ही एक छोर पर मुकेश अंबानी हों और दूसरे छोर पर गौतम अडानी हों, लेकिन दोनों की धुरी एक है- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

सांप खुश हैं ,बीन बाग़ी हो गयी
सागरों से मीन बाग़ी हो गयी
फट न जाये एक दिन बारूद से
देखना नसरीन बाग़ी हो गयी
कीजिये मिलकर दुआ अल्लाह से
बोलिये 'आमीन' बागी हो गयी
उँगलियों पर नाचती थी कल तलक
क्या हुआ 'स्क्रीन' बाग़ी हो गयी
हो गए वीरान बीहड़ एकदम
हर कथा प्राचीन बागी हो गयी
करें घोड़े ,समझ आता नहीं ?
पीठ की हर जीन बाग़ी हो गयी
झुग्गियां हैरान हैं ये देखकर
बेहया क्यों टीन बाग़ी हो गयी
जांच का मुद्दा है लश्कर में अभी
किसलिए संगीन बागी हो गयी।

- राकेश अचल

भारी बारिश से आंध्र-तेलंगाना के हाल बेहाल

भारी तबाही,24 घंटे में 8 लोगों की मौत, तेलंगाना में रेल पटरी बही

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में शनिवार को भारी बारिश खी वजह से आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें से पांच लोगों की मौत विजयवाड़ा में भूस्खलन के कारण हुई। वहीं पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल की खाड़ी में कम दबाल के क्षेत्र की वजह से दोनों राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। विजयवाड़ा के नगर आयुक्त एचएम ध्यानचंद्र ने बताया कि मोगलराजपुरम में भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। ध्यानचंद्र ने बताया 'भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत हुई है। यह संख्या और भी बढ़ सकती है।' उन्होंने कहा कि रविवार सुबह मलबा हटाने का काम फिर से शुरू किया जाएगा। नगर आयुक्त के अनुसार, भारी बारिश के कारण मोगलराजपुरम में एक स्थान पर भूस्खलन हुआ और दो घरों पर चट्टानें गिर गईं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भूस्खलन पीड़ितों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से लोगों को दूर भेजने का निर्देश दिया क्योंकि अगले दो-तीन दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान है। गुंटूर जिले के पेदाकाकानी गांव में, उफनती जलधारा को पार करते समय एक कार के बह जाने के कारण उसमें सवार एक शिक्षक और दो छात्रों की मौत हो गई, जो अपने घर लौट रहे थे।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोटरी क्लब के कार्य प्रशंसनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रोटरी क्लब उज्जैन द्वारा संचालित इंटरसिटी साक्षरता कार्यक्रम के प्रतिनिधियों को आज वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा जुड़कर रोटरी क्लब के शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की और उनके प्रकल्पों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कई जन्मों के पुण्य के बाद मनुष्य का जन्म प्राप्त होता है। इसके साथ ही सेवा का अवसर भी मिलता है। अपने सद्कर्मों से मानव बना जा सकता है। अच्छे कार्य मनुष्य को देव बना देते हैं। देव या देवता वही होता है जो देने का भाव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोटरी क्लब के सदस्यों को उज्जैन में रक्तदान जैसे पुण्य कार्य के लिए अधोसंरचना तैयार करने और रतलाम में रोगियों के लिए डायलेसिस की सुविधा प्रारंभ करने की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन का एक नाम अवंतिका भी है, जिसका अर्थ है जिसका कोई अंत नहीं। उज्जैन का प्रत्येक युग में महत्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोटरी क्लब के कार्यक्रम में उज्जैन आए अन्य स्थानों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में साइंस सिटी, प्लेनोटोरियम, वैदिक घड़ी जैसे स्थान भी देखकर जाएं। उज्जैन में साइंस सिटी बनाने की पहल इसे धार्मिक नगरी के साथ ही विज्ञान सिटी बनाने में सहयोगी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन का गौरवशाली अतीत है। भगवान श्री कृष्ण ने यहां आकर शिक्षा ग्रहण की। रोटरी क्लब द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य अन्य संस्थाओं के लिए प्रेरणादायी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोटरी क्लब के कार्यक्रमों और प्रकल्पों की सफलता की कामना की। कार्यक्रम में श्री अविनाश गुप्ता, समन्वयक के साथ ही अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

प्रदेश की उन्नति के लिए समर्पित हैं डॉ. मोहन यादव : आचार्यश्री

भोपाल। आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने मध्यप्रदेश में जन-कल्याण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व की सराहना की है। आज राजस्थान के झालरापाटन में अपने 52 वें जन्म दिवस और 36 वें चातुर्मास कार्यक्रम में जैन मुनि श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश की उन्नति के लिए समर्पित और ऊर्जावान मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. यादव ने अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आशीर्वाद भी दिया। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेरे 50 वें और 51वें जन्म दिवस पर उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में पधारे थे। आज वे मुख्यमंत्री के रूप में आए हैं। निश्चित ही उनका यह भाव प्रभावित करता है। उन्होंने मेरी जन्म वर्षगांठ के अवसर पर निरंतर तीन वर्ष आकर हैट्रिक बनाई है। इस चातुर्मास कार्यक्रम और महोत्सव को उन्होंने बहुमुखी बना दिया है। महोत्सव में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने उपस्थित होकर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का स्वागत किया।

चिराग की 'लौ' पर भाजपा का 'पारस' पड़ा भारी

- एलजेपी-आर में टूट की आशंका से सहमे चिराग पासवान

पटना (एजेंसी)। लगता है चिराग पासवान के होश ठिकाने आ गए हैं। भाजपा ने पेंच की एक ही चूड़ी कसी और वे जमीन पर आ गए। हाल के दिनों में अपने को नरेंद्र मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान ने उनके ही फैसलों की जिस तरह मुखालफत शुरू की थी, उससे लगता था कि भाजपा ने भस्मासुर पाल लिया है। एक के बाद एक वे मोदी सरकार के फैसलों का विरोध करते रहे। सामान्य समझ भी नहीं रही कि वे मोदी मंत्रिमंडल के ही सदस्य हैं। ऐसे में सरकार का हर फैसला मंत्रियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। वे ऐसा करने लगे, जैसा उनके पिता ने गोधरा कांड के बाद मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर किया था। हालांकि वैसी हिम्मत चिराग न दिखा सके। वे तो पानी में रह कर ही मगरमच्छ से टकराना चाहते थे। इसके जरिए वे अपनी अलग पोलिटिकल आइडेंटिटी बनाना चाहते होंगे पर, भाजपा ने पेंच कस दिया।

एलएसी पर अब नहीं चल पाएगी चीन की कोई भी चाल

लेह जाने के लिए तीसरा रास्ता बना रहा भारत, बर्फ का भी नहीं होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सीमा पर एकसाथ चीन और पाकिस्तान के घुसपैठ की कोशिशों को सामना कर रहा है। इसके लिए बुनियादी ढांचों को दुरुस्त करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) अगले कुछ हफ्तों में चीन के साथ सीमा पर विशिष्ट बुनियादी ढांचे का काम पूरा कर लेगा। इसमें लेह के लिए वैकल्पिक मार्ग पर सड़क पैच शामिल है जो हर मौसम में संपर्कसुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। इसके अलावा, केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने भारत-चीन सीमा सड़क कार्यक्रम के तहत आने वाली दूसरी परियोजनाओं को भी प्राथमिकता दी है। इसी के तहत उत्तराखंड में मानसरोवर यात्रा मार्ग पर लिपुलेख दर्रे तक संपर्क स्थापित किया है। द इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। वर्तमान में लेह तक पहुंचने के लिए तीन मार्ग हैं। पहला जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-जोजिला-कारगिल के माध्यम से है। दूसरा हिमाचल प्रदेश में मनाली-रोहतांग के माध्यम से है। यह सड़क दारचा नामक स्थान पर अलग होती है। यहां से एक मार्ग पदम और निमू के माध्यम से लेह से जुड़ता है। दूसरा हिमाचल प्रदेश में बारालाचा ला और लद्दाख में तंगलांग ला के पहाड़ी दर्रे से होकर कारू के माध्यम से लेह से जुड़ता है। वर्तमान में लेह के लिए इन दोनों मार्गों में हर मौसम में संपर्क नहीं है। श्रीनगर-लेह और बारालाचा ला-कारू-लेह लेह पहुंचने के पुराने पारंपरिक मार्ग हैं। परियोजनाओं से परिचित वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि नीमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से को जोड़ना और मनाली-दारचा-पदम-नीमू अक्ष पर 4.1 किलोमीटर लंबी ट्विन ट्यूब शिंकू ला सुरंग का निर्माण कार्य शुरू करना बीआरओ की तत्काल कार्य सूची में शामिल है। नीमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से को जोड़ने का काम पूरा होने के कगार पर है। इस दौरान 15800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग भी बनाई जाएगी। 1,681 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सुरंग से मनाली और लेह के बीच की दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह निमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी।

सीएम के बयान के बाद मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव

- ऑडियो पर भड़के कुकी संगठन, बीजेपी नेता का घर फूंका

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में एक बार फिर तनाव बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। कुकी समुदाय ने शनिवार को आदिवासी बहुल इलाकों में तीन रैलियां निकालीं। इन रैलियों में लोग अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए ते। वहीं लोगों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कथित ऑडियो क्लिप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। उन्होंने चुराचांदपुर जिले के लेइशांग, कांगपोकपी के केइथेलमन्बी और तेंग्नौपाल के मोरेह में रैलियां निकालीं। चुराचांदपुर में रैली लेइशांग के एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और में समाप्त हुई। कुकी-जो समुदाय के छात्रों द्वारा आयोजित रैली के मद्देनजर जिले में सभी बाजार और स्कूल बंद रहे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 2 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन अब ग्रेट नहीं, भारत को सौंप दे यूएन की अपनी सीट...

- पीएम मोदी के दौरे से पहले सिंगापुर के राजनयिक का बड़ा बयान

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर के पूर्व राजनयिक और जानेमाने शिक्षाविद किशोर महबूबानी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में तत्काल सुधार की मांग की है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है कि भारत को स्थायी सदस्यता मिले। उन्होंने

कहा कि भारत परिषद में स्थायी सीट की हकदार है और उसे ये हक मिलना चाहिए। किशोर महबूबानी का ये बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगापुर यात्रा से ठीक पहले आया है। भारत भी अलग-अलग मंचों से बीते कई वर्षों से लगातार यूएनएससी में स्थायी सीट की मांग करता रहा है।

केसी त्यागी का जेडीयू प्रवक्ता पद से इस्तीफा

- इजराइल को मदद और अग्निवीर पर उठाए थे सवाल

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने निजी कारणों का हवाला देकर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह पार्टी ने राजीव रंजन

को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया है। पार्टी के महासचिव आफाक अहमद खान ने लेटर जारी कर इसकी जानकारी दी है। लेटर में लिखा है, जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने राजीव रंजन प्रसाद को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया है।

अगले 3 महीने में लॉन्च होगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

- रेल मंत्री ने ट्रेन का पहला मॉडल दिखाया, बोले-राजधानी जितना किराया होगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के पहले मॉडल की झलक दिखाई। वे बेंगलुरु में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड की फैक्ट्री में ट्रेन का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि अगले 3 महीने में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू हो जाएगी। कोच की मैन्युफैक्चरिंग का काम पूरा हो गया है। कुछ दिनों में यह यहां की फैक्ट्री से बाहर आ जाएगी। अगले 2 महीने ट्रेन की टेस्टिंग चलेगी।

चंद्रग्रहण से सुपर हार्वेस्ट मून तक, दिखेंगे अद्भुत नजारे

न्यू मून से होने जा रही है महीने की शुरुआत,दिलचस्प नजारा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खगोलीय घटनाओं और सितारों में दिलचस्पी रखने वालों के लिए सितम्बर का महीने बेहद ही खास होने जा रहा है। इस महीने खगोलविद एक दो नहीं, बल्कि कई न भूलने वाली खगोलीय घटनाओं को होता हुआ देखेंगे। आंशिक चंद्रग्रहण से लेकर सुपर हार्वेस्ट मून तक, सितम्बर की रात में

- सितम्बर महीने में होंगी आसमान में अनोखी खगोलीय घटनाएं

आश्चर्यजनक नजारे देखने को मिलेंगे। यहां उन प्रमुख खगोलीय घटनाओं के बारे में जानते हैं, जिन्हें आप इस महीने देखने से चूकना नहीं चाहेंगे। महीने के तीसरे दिन ही न्यू मून से इसकी शुरुआत होने जा रही है, तो 22 सितम्बर को शरद विषुव के साथ ही सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में प्रवेश करता है। महीने की शुरुआत 3 सितंबर

मंगलवार को न्यू मून से होगी। चंद्रमा का यह चरण एक नए चंद्र चक्र की शुरुआत का प्रतीक है। खगोल विज्ञान में न्यू मून पहले चंद्र चरण को कहते हैं। इस दौरान चंद्रमा और सूर्य एक रेखांश पर होते है। इसके चलते चंद्रमा की डिस्क नंगी आंखों से दिखाई नहीं देती। 5 सितम्बर गुरुवार को बुध सूर्य के पश्चिम में सबसे अधिक दूरी पर होगा। यह इस ग्रह को देखने के लिए सबसे सही समय बन जाएगा। हमारे सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह बुध सुबह के समय सूर्योदय से ठीक पहले आसमान में दिखाई देगा। रविवार 8 सितम्बर को शनि ग्रह आकाश में सूर्य के ठीक विपरीत होगा। इस दौरान शनि पृथ्वी के सबसे करीब होगा, जिससे यह सामान्य से अधिक चमकीला और बड़ा हो जाएगा। दूरबीन की मदद से खगोलविद शनि ग्रह के आश्चर्यजनक छल्लों को देख पाएंगे। इस दौरान शायद कुछ बड़े चंद्रमाओं को भी देख सकेंगे। 17 और 18 सितंबर को आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। इस दौरान चंद्रमा का एक हिस्सा पृथ्वी की छाया से होकर गुजरेगा। यह घटना यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में रहने वालों को दिखाई देगी। हालांकि यह पूर्ण ग्रहण नहीं होगा लेकिन यह एक जबर्दस्त नजारा पेश करेगा। 18 सितंबर को सुपर हार्वेस्ट मून की उपस्थिति के लिए चिह्नित किया गया है।

कोलकाता के बाद अब नार्थ 24 परगना में बवाल

- नाबालिग के यौन उत्पीड़न के बाद एक बार फिर उबला बंगाल

समझौते की पेशकश के बाद टीएमसी नेता के घर हुई तोड़फोड़

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अभी कोलकाता के सरकारी आरजी कर हास्पिटल में लेडी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की घटना पर बवाल थमा नहीं है। इस बीच राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में नया मामला सामने आ गया। वहां की एक नाबालिग लड़की के यौन शोषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ ने कथित आरोपी के घर और उसके रिश्तेदार

- रैफ की तैनाती, बीरभूम के अस्पताल में नर्स से भी हुई छेड़छाड़

की दुकान में तोड़फोड़ कर दी। स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता ने कथित तौर पर पीड़ित परिवार से 'मामला सुलझाने' के लिए कहा तो भीड़ का गुस्सा बढ़ गया। पीड़िता के पिता ने कहा, आरोपी हमारे गांव का रहने वाला है। मैं सोच भी नहीं सकता था कि वह ऐसा कुछ कर सकता है। मेरी नौ साल की बेटी घर से मेरी दुकान पर आ रही थी। उस समय उसने उसके साथ मारपीट की। मैं उसके लिए कड़ी सजा की मांग करता हूं। पुलिस ने आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार रात को रोहांडा पंचायत के राजबाड़ी इलाके में कथित यौन शोषण की घटना सामने आते ही स्थानीय लोगों ने आरोपी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस टीएमसी नेता के कथित हस्तक्षेप से लोगों में व्यापक आक्रोश है, वह एक पंचायत सदस्य का पति है। भीड़ ने पंचायत सदस्य के घर को भी निशाना बनाया, इसलिए इलाके में पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को तैनात किया गया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। पंचायत सदस्य के परिवार ने दावा किया कि पड़ोसी इलाके के विपक्षी सीपीएम के समर्थकों ने हमला किया। एक अन्य घटना में बीरभूम जिले के इलमबाजार इलाके में एक अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स ने कहा कि एक रूटीन प्रोसेस के दौरान, एक मरीज ने उसे अनुचित तरीके से छुआ और जब उसका विरोध किया तो उसने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

शालीमार टाउनशिप में डॉ. सुखदा अभिराम भिसे का व्याख्यान

इंदौर। राष्ट्र सेविका समिति शालिमार शाखा और वाचन संस्कृति के संयुक्त तत्वावधान में 'रुक जाना नहीं तू कहीं हार के' इस विषय पर मानसोपचार तज्ञ डॉ. सुखदा भिसे का व्याख्यान हुआ। डॉ. सुखदा ने कहा कि जीवन में सेल्फ रिस्पेक्ट और स्वयं के विषय में योग्य आकलन करना आवश्यक है। हम छोटी-छोटी समस्याओं का बड़ा हौव्वा। बना देते हैं आलस्य सबसे बड़ी समस्या है। स्वयं की भूल हम आसानी से भूल जाते हैं। हमारी मूलभूत आवश्यकताओं की भी हम अनदेखी करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति भी लापरवाही बरतते हैं। यह समझना आवश्यक है कि दूसरों की सहायता तब की जा सकती है जब हम सक्षम एवं सशक्त होंगे।

जीवन में अनावश्यक तनाव पालकर हम बहुत जल्दी हार स्वीकार कर लेते हैं। जबकि होना यह चाहिए कि छोटी-छोटी बातों को भूलकर अपने संबंधों को बचाना अधिक महत्त्वपूर्ण है यह समझना चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत डॉ. प्रीति रोहित तांबट और सोनल नीमा ने किया। परिचय, समिति की प्रांत संपर्क प्रमुख रेणुका पिंगळे ने,गीत मनिषा भागवत ने,आभार शैला आचार्य ने एवं संचालन पुनम तिवारी ने किया।

अपने 'चाणक्य' के बयान से तिलमिला उठा चीन!

- जिनपिंग के सरकारी भोंपू ने जमकर निकाली भड़ास

बीजिंग (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन को विशेष समस्या बताने पर बीजिंग प्रशासन तिलमिला गया है।

जयशंकर के बयान पर चीनी सरकार के भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने जमकर भड़ास निकाली है। ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय विदेश मंत्री के बयान को बहाना बताया और ये तक कह दिया कि भारत जटिल अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने के लिए तैयार नहीं है। ग्लोबल टाइम्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विदेश मंत्री का यह दावा कि एक विशेष चीन समस्या बाकी दुनिया की सामान्य चीन समस्या से कहीं ऊपर है, एक स्वार्थी बहाने की तरह लगता है। ग्लोबल टाइम्स ने आगे लिखा, चीन में निवेश पर प्रतिबंधात्मक नीतियों ने भारत के अत्यधिक आलोचना वाले कारोबारी माहौल को और खराब कर दिया है। स्पष्ट रूप से भारत एक प्रमुख शक्ति से अपेक्षित परिपक्वता और परिप्रेक्ष्य के साथ जटिल अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने के लिए तैयार नहीं है।

हरियाणा चुनाव

कांग्रेस उम्मीदवारों पर विवाद के बाद मीटिंग का टाइम बढ़ा

टिकट बंटवारे में हुड्डा ग्रुप को तरजीह से नाराजगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों को लेकर विवाद हो गया है। इस वजह से कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी उम्मीदवारों

के नाम तय नहीं कर पाई है। यह मीटिंग 4 दिन से दिल्ली में चल रही है। अब इसकी बैठक दो दिन और बढ़ा दी गई है। इसमें सिंगल नाम वाले उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाएगा। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक टिकट बंटवारे में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा का गुट भारी पड़ रहा है। लोकसभा चुनाव की तरह यहां भी हुड्डा की पसंद से टिकट बांटे जा सकते हैं। इसे देखते हुए कांग्रेस में उनकी विरोधी सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने भी अपनी 90 सीटों की लिस्ट हाईकमान को थमा दी है। टिकट बंटवारे पर फाइनल मुहर

- सैलजा ने हाईकमान को 90 सीटों की लिस्ट थमाई

लगाने के लिए कल 2 सितंबर को कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग होनी है। बता दें कि कांग्रेस ने जुलाई में विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से टिकट के लिए आवेदन मांगे थे। महीने भर चली प्रक्रिया में पार्टी को 90 सीटों के लिए 2556 आवेदन मिले। कई सीटों पर 40 से ज्यादा दावेदारों ने टिकट के लिए आवेदन किया है।

संगठन पर्व हमारे लिए पार्टी का सबसे बड़ा त्योहार : वीडी शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले के मोर्चों एवं प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक एवं मिसरोद मंडल के बूथ क्रमांक 302 की संगठन पर्व बूथ कार्यशाला को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मोर्चों एवं प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक को प्रदेश कार्यालय में सम्बोधित करते हुए कहा कि

पार्टी का संगठन पर्व हमारे लिए सबसे बड़ा त्योहार है। हमें प्राणप्रण से जुटकर सदस्यता के लिए पार्टी ने जो लक्ष्य तय किया है उसे हासिल करना है। सदस्यता अभियान सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि कमजोरी को मजबूती में बदलने का अवसर है। वहीं बूथ की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कांगेस ने आजादी के बाद से ही देश की एकता और अखंडता को खंडित करने का कार्य किया। प्रधानमंत्री मोदी गरीबों का जीवन संवार रहे हैं, उन्हें मजबूती देने के लिए रिकॉर्ड संख्या में सदस्य बनाएं। मोर्चा-प्रकोष्ठों की बैठक को प्रदेश महामंत्री, प्रदेश सदस्यता प्रभारी व विधायक भगवानदास सबनानी, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने भी सम्बोधित किया।

शिवाजी की मूर्ति के बहाने महाराष्ट्र में 'खेला' की तैयारी

स्टैच्यू गिरने को लेकर एमवीए का मुंबई में प्रदर्शन, दिखाई ताकत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले शिवाजी महाराज का स्टैच्यू गिरने का मुद्दा महायुति के परेशानी का सबब बनता जा रहा है। महाविकास आघाडी के नेताओं ने रविवार को

- यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे बोले, अब चुप न बैठें लोग, बाहर निकलें

हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक प्रोटेस्ट मार्च निकाला। मार्च में शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले के अलावा शिवाजी के वशंज और कोल्हापुर से सांसद शाहू महाराज भी मौजूद रहे। इस मौके पर शरद पवार ने बड़ा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बयान दिया कि मालवण के राजकोट किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति हवा के कारण गिर गई। पवार ने कहा कि गेटवे ऑफ इंडिया के सामने की शिवाजी मूर्ति कई सालों से है। यहां तक कि राज्य के कई हिस्सों में ऐसी मूर्तियां आज भी मजबूती से खड़ी हैं। राजकोट किले

में मूर्ति ढहने की घटना भ्रष्टाचार का उदाहरण है। महाराज की प्रतिमा गिरने से देश के शिव प्रेमियों का अपमान हुआ है। महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले ने कहा कि शिवाजी महाराज के नाम पर वोट मांगना और सत्ता में आने के बाद उनका अपमान करना बीजेपी का पेशवा रवैया है। पटोले ने कहा कि बीजेपी सरकार ने गबन और भ्रष्टाचार कर छत्रपति शिवराय का अपमान करने का पाप किया है। मालवण में न केवल शिव राय की मूर्ति गिरी, महाराष्ट्र धर्म को रौंदा गया।

असम में नमाज ब्रेक पर 'ब्रेक' से मचा घमासान

- एनडीए में ही खटपट, जेडीयू और एलजेपी ने सीएम हिमंता को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक फैसले पर अब राजनीतिक घमासान तेज होने लगा है। सरमा ने राज्य विधानसभा में मुस्लिम विधायकों को नमाज के लिए मिलने वाले दो घंटे के ब्रेक को खत्म कर दिया है। इस फैसले की जहां विपक्षी पार्टियां आलोचना कर रहीं, वहीं बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में भी इस फैसले के खिलाफ आवाज उठी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो प्रमुख सहयोगी दलों जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी ने इस फैसले की आलोचना की है।

धार्मिक पर्यटन हेली सेवा अक्टूबर में फिर से होगी शुरू

दो हेलीकॉप्टरों के साथ उड़ान भरने की शुरू हो गई तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थलों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की गई पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा अक्टूबर में दो हेलीकॉप्टरों के साथ फिर से शुरू होगी। यह सेवा पहली बार 16 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन से शुरू की गई थी, लेकिन इसके बाद किसी अन्य यात्री ने इसका लाभ नहीं उठाया। अम उजाला ने 24 अगस्त के अंक में सपना धराशाई...दूसरी उड़ान नहीं भर सकी पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा, सीएम ने किया था शुभारंभ शीर्षक से खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके पहले विमानन विभाग के अधिकारी हेली सेवा को लेकर गोलमोल जवाब दे रहे थे। अब अधिकारियों का कहना है कि बरसात के चलते हेलीकॉप्टर की सेवा को रोका गया है। दो हेलीकॉप्टरों से बरसात के बाद सेवा को दोबारा शुरू किया जाएगा। पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा की पहली उड़ान उज्जैन से ओंकारेश्वर के लिए संचालित की गई थी, जिसमें एक परिवार ने यात्रा की। इसके बाद, सेवा की दूसरी उड़ान संभव नहीं हो पाई। इसका मुख्य कारण यात्रियों की कमी को बताया गया। अब नई योजना के अनुसार, दो हेलीकॉप्टरों के साथ धार्मिक हेली सेवा को फिर से शुरू किया जाएगा। इस सेवा में न केवल उज्जैन से ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों को जोड़ने की योजना है, बल्कि इसके विस्तार के तहत प्रदेश के अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों जैसे मैहर, दतिया, और ओरछा को भी शामिल किया जाएगा। योजना में हेलीकॉप्टरों की संख्या बढाई जाएगी,जिससे अधिक से अधिक यात्री इस सेवा का लाभ उठा सकें। विमानन विभाग के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि बरसात के बाद सेवा को दो हेलीकॉप्टर के साथ शुरू किया जाएगा। अभी बारिश की वजह से सेवा को रोका गया है। हेलीकॉप्टर की संख्या बढ़ने से ज्यादा यात्रियों को लाभ मिल सकेगा।

शिक्षक दिवस पर बीजेपी जॉइन करेंगे प्रायवेट टीचर

वीडी बोले-स्वेच्छा से काम करने के इच्छुक शिक्षकों को सदस्यता दिलाएंगे

भोपाल। आज सोमवार दो सितंबर से बीजेपी का सदस्यता अभियान औपचारिक तौर पर शुरु हो जाएगा। इस सदस्यता अभियान में प्रदेश भर के निजी शिक्षकों को बड़े पैमाने पर बीजेपी की सदस्यता दिलाई जाएगी। शिक्षक दिवस पर बीजेपी ने शिक्षक प्रकोष्ठ को यह निर्देश दिए हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले निजी शिक्षकों को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाए। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में भोपाल जिले के संयुक्त मोर्चों की बैठक के बाद मीडिया से कहा- शिक्षक दिवस पर हमारी एक ही रणनीति है। कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षक जो निजी संस्थाओं में काम करते हैं जो स्वेच्छा से भाजपा से जुड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों को जोड़ने का काम शिक्षक प्रकोष्ठ बड़े पैमाने पर करेगा। वीडी शर्मा ने कहा- भाजपा का सदस्यता अभियान संगठन का पर्व है। हमारी कार्यशालाएं तेज गति से संपन्न हुई हैं। कल बूथ की कार्यशालाएं हुई हैं और आज भी संपन्न हो रहीं हैं। सदस्यता के लिए हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने प्लानिंग की है। भोपाल में मोर्चों की कार्यशालाएं हुई हैं। भाजपा का कैड़र अब एक्टिवेट करने का काम सभी बूथों पर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मप्र के मुख्यमंत्री मोहन जी की योजनाएं के हितग्राही हमारी बड़ी ताकत हर बूथ पर हैं। इन सबको एक्टिवेट करते हुए हमारा डेढ़ करोड सदस्यता का टारगेट है। मुझे विश्वास है कि हम इस डेढ़ करोड टारगेट से ऊपर जाएंगे। मप्र सदस्यता अभियान में देश में इतिहास बनाएगा।

सदस्यता पर कांग्रेस के आरोपों पर बोले- उन्हें दिखता नहीं हैं: आज हम जब बात करते तो देश में नरेन्द्र मोदी की गुड गवर्नेंस की ही बात करते हैं। मैं कांग्रेसियों से कहना चाहता हूं कि आपके प्रधानमंत्री ने पहली ही सरकार में देश का डिवीजन कर दिया था। धारा 370 लगाकर देश की एकता अखंडता पर आक्रमण किसने किया था। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उद्योग मंत्री के पद से इस्तीफा देकर कानून तोड़ा था और कहा था एक देश में दो विधान, दो निशान दो प्रधान नहीं चलेंगे। और जनसंघ बनाया था उनका बलिदान जम्मू कश्मीर में धारा 370 के लिए हुआ था। 1980 में वो जनसंघ से भाजपा बनी थी। जिसके लिए भाजपा ने, डॉ मुखर्जी ने बलिदान दिया उसे हम याद ना करें।

जिस माह की है राशन सामग्री, अब उसी माह में मिलेगी

खाद्य मंत्री गोविंद राजपूत बोले-राशन सामग्री अब केरी फॉरवर्ड नहीं होगी

- अगस्त में एक करोड़ 17 लाख 53 हजार पात्र परिवारों को हुई वितरित

भोपाल। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में वितरित की जाने वाली खाद्यान्न सामग्री के संबंध में जारी नये निर्देशों के अनुसार अब पात्र परिवारों को राशन सामग्री का वितरण प्रत्येक माह की 1 से 31 तारीख तक करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अब जिस माह की राशन सामग्री है, उसी माह में मिलेगी। यह केरी फॉरवर्ड नहीं होगी। अगस्त माह से इसे शुरू कर दिया गया है।

अगस्त माह में एक करोड़ 17 लाख 53 हजार पात्र परिवारों को राशन सामग्री का वितरण किया गया। जुलाई के राशन सामग्री आवंटन में लगभग 7 लाख 96 हजार परिवारों को 1 से 15 अगस्त तक केरीफॉवर्ड राशन का वितरण भी किया गया था। साथ ही इन परिवारों को अगस्त माह का राशन भी वितरित किया गया। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि माह अगस्त मे 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' के तहत मध्य प्रदेश में अन्य राज्यों के 3644 परिवार द्वारा और अन्य राज्यों में प्रदेश के 34 हजार 667 परिवारों द्वारा एवं अन्तर्जिला पोर्टेबिलिटी से 14 लाख

38 हजार 630 परिवारों द्वारा राशन प्राप्त किया गया। यह माह जुलाई की तुलना में अधिक है। समय-सीमा में पात्र परिवारों को राशन वितरण के लिये राज्य स्तर पर प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक कर राशन प्रदाय एवं वितरण की सुनियोजित कार्य-योजना तैयार कर राशन सामग्री का वितरण कराया गया। माह अगस्त 2024 के आवंटन अनुसार जिन जिलों में राशन सामग्री की उपलब्धता कम थी, उन जिलों में लगभग 25 हजार 600 एमटी गेहूं एवं चावल का अन्य जिलों से परिवहन कर प्रदाय केन्द्रों पर भण्डारण कराया गया। वृद्ध उपभोक्ताओं को उनके घर जाकर राशन सामग्री वितरित कराई गई। ग्राम खरसोद खुर्द में दिव्यांग श्री प्रहलाद, जो गांव से 5 किलोमीटर दूर रहते हैं, उन्हें 31 अगस्त को उनके निवास जाकर राशन सामग्री वितरित कराकर ई-केवाईसी कराई गई।

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना से 27,826 दुकानों तक परिवहन

माह अगस्त के आवंटन के लिये प्रदेश के 252 प्रदाय केन्द्रों से गेहूं 1.12 लाख एमटी, चावल 1.69 लाख एमटी, नमक 0.10 लाख एमटी एवं शक्कर 0.12 लाख एमटी का परिवहन 'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत' योजना के परिवहनकर्ताओं के माध्यम से कराकर 27 हजार 826 उचित मूल्य दुकानों तक पहुँचाया गया। जिन जिलों में प्रदाय केन्द्रों से उचित मूल्य की दुकानों तक राशन सामग्री के प्रदाय मे विलम्ब हो रहा था, उन जिलों में अतिरिक्त वाहनों के माध्यम से राशन सामग्री का परिवहन कराया गया। उचित मूल्य दुकानों पर राशन सामग्री के प्रदाय एवं पात्र परिवारों को वितरण की मॉनीटरिंग सप्ताह मे दो बार विडियो कॉन्फ्रेंस से राज्य स्तर से की गई। शासकीय अवकाश के दिवसों में भी राशन सामग्री का प्रदाय एवं वितरण कराया गया। संचालनालय खाद्य भोपाल स्तर पर राशन सामग्री के उठाव एवं वितरण की समीक्षा के लिये जिलेवार अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। विगत 6 माह से निरंतर राशन प्राप्त न करने वाले लगभग 1 लाख 74 हजार परिवारों को माह अगस्त में राशन प्राप्त करने के लिये परिवारों के नामों की सूची उचित मूल्य दुकानों पर चस्पा कराई गई। दिनांक 25 अगस्त तक उचित मूल्य दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले 13 लाख 33 हजार 470 पात्र परिवारों को राशन प्राप्त करने के लिये राज्य स्तर से एसएमएस किए गये। राज्य स्तर पर बने नियत्रंण कक्ष के दूरभाष नम्बर- 0755-2551475 पर प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित निराकरण किया गया। पात्र परिवारों को अगस्त माह में ही राशन सामग्री प्राप्त करने के लिए प्रचार-प्रसार कराया गया। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस राशन वितरण व्यवस्था से पात्र परिवारों को आवंटन माह अगस्त में ही राशन प्राप्त हुआ। आगामी माह तक राशन प्राप्त करने के लिये इंतजार करने की आवश्यकता नहीं रही। आगामी माह में (केरी फारवर्ड) राशन वितरण बंद होने से उचित मूल्य दुकान से राशन वितरण में अनियमितताओं (2 माह के स्थान पर 1 माह की सामग्री देना) पर रोक लगी है। भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (MPSCSC) को वितरित राशन सामग्री मात्रा पर अनुदान राशि का माहवार भुगतान हो सकेगा। राशन सामग्री आवंटन माह मे वितरण कराने से उचित मूल्य दुकानों पर आगामी माह की राशन सामग्री के भण्डारण कराने मे सुविधा होगी।

अस्पताल प्रबंधन ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर लगाया गंभीर आरोप, कहा-

2 दिन पहले चंदा नहीं देने पर की थी बदसलूकी, पार्षद ने पहले भी लोगों को भड़काया

भोपाल। भोपाल में शुक्रवार रात कार की टक्कर से हुई एक युवक की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। हादसा गोविंदपुरा क्षेत्र के शांति निकेतन के सामने तिराहे पर हुआ। इसके बाद लोग युवक को फौरन सिटी हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन और उनके साथ गए लोगों की भीड़ उग्र हो गई। इस मामले को लेकर हादसे में घायल डॉक्टर उज्जवल गुप्ता ने बताया कि 28 अगस्त से बीजेपी कार्यकर्ता चंदे के नाम पर उनसे लगातार बदसलूकी कर रहे थे। इसके बाद 30 अगस्त को यह घटना हो गई। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। बीजेपी कार्यकर्ता राम मिश्रा और पार्षद राकेश यादव के लोग लंबे समय से हमें परेशान कर रहे हैं। वह 28 की रात चंदा मांगने आए, उन्होंने 20 से 25 हजार के चंदे की मांग की, हमने कहा कि हमारे पास कैश नहीं है, तो वह स्टाफ के साथ बदसलूकी करके गए। उन्होंने गाली गलौच की, और चले गए।

पत्थरबाजी में शामिल लोगों को भी पार्षद ने भड़काया: डॉक्टर उज्जवल गुप्ता ने बताया कि इससे पहले जब इलाके में नगर निगम ने अतिक्रमण की कार्रवाई की तो पार्षद राकेश यादव ने इलाके में मौजूद उन लोगों को भड़काया जो शुक्रवार रात अस्पताल में

तोड़फोड़ कर रहे थे। इससे पहले कई बार राम मिश्रा, पार्षद राकेश यादव के लोग हमारे अस्पताल में स्टाफ के साथ बदसलूकी कर चुके हैं। हमने इसकी शिकायत कई बार डायल 100 पर भी की है। शुक्रवार रात 8.30 बजे शहर के गोविंदपुरा में बाइक में टक्कर मारने के बाद कार उसे 10 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। बाइक चला रहे राकेश (20) की मौत हो गई थी। उसे सिटी हॉस्पिटल लाया गया। यहां युवक के मृत घोषित होते ही भीड़ उग्र हो गई। अस्पताल में पत्थर फेंके और तोड़फोड़ कर दी। डॉक्टर और उनके परिवार के सदस्य घायल हो गए। इधर, शनिवार को परिजन ने सिटी हॉस्पिटल के बाहर युवक का शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस के आश्वासन पर प्रदर्शन खत्म कर बॉडी लेकर नरसिंहगढ़ रवाना हो गए। वे अस्पताल सील करने की मांग कर रहे थे। हालांकि डॉक्टर्स का इसमें आरोप है कि परिजन इसमें मौजूद नहीं थे, इसमें इलाके के असामाजिक तत्व मौजूद थे। इस बारे में जब पार्षद राकेश यादव से बात करने की कोशिश की तब उन्होंने फोन काट दिया। उनका पक्ष जानने के लिए उन्हें मैसेज किया गया, मगर उन्होंने इस पर कोई रिप्लाई या जवाब नहीं दिया।

लॉकर सर्चिंग से पहले बाबू की पत्नी की तबीयत बिगड़ी

- नोटिस भेजकर लोकायुक्त एसपी को बताया पत्नी बीमार है
- कहा-अस्पताल में है, आगे की कार्रवाई से पहले मोहलत चाहिए

भोपाल। लोकायुक्त पुलिस ने 23 अगस्त को भोपाल डेवलपमेंट अथॉरिटी (BDA) के बाबू को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप कर लिया। आरोपी के घर होटल और पत्नी के ऑफिस में सर्चिंग के बाद 80 करोड़ रुपए तक की चल अचल संपत्ति होने की जानकारी कार्रवाई करने वाली टीम को मिल चुकी है। ओरिएंटल बैंक के ज्वाइंट अकाउंट जो सास और पत्नी के नाम है, के दस्तावेज सहित एक बैंक लॉकर होने के प्रमाण मिले। इस लॉकर की सर्चिंग पुलिस एक सप्ताह बाद भी नहीं कर सकी है। शुक्रवार को लोकायुक्त एसपी के नाम पर एक पत्र बाबू की ओर से भेजा गया है। इसमें पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए आगे की कार्रवाई के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया है। तारकचंद दास की ओर से भेजे इस पत्र में पत्नी को अस्पताल में भर्ती होना बताया है। आरोपी सहायक ग्रेड-1 तारकचंद दास ने यह रकम रत्नागिरी प्रोजेक्ट में रहने वाले एक व्यक्ति से लीज रिन्यू करने के नाम पर मांगी थी। वह 3 लाख 35 हजार रुपए मांग रहा था। काफी मनाने के बाद पहली किस्त के 40 हजार रुपए शुक्रवार को लिए।

घूस की रकम तारकचंद ने स्टाफ के सामने ही अपनी टेबल की दराज में रखवा दी। इसी दौरान लोकायुक्त पुलिस की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। तारकचंद ने दफ्तर के सामने ही पत्नी मंदिरा दास के नाम से दुकान ले रखी है। रजिस्ट्री के सर्विस प्रोवाइडर का लाइसेंस भी है। बीडीए से प्रॉपर्टी खरीदने वालों पर दास का दबाव रहता है कि रजिस्ट्री यहीं से कराएं। फरियादी ने एसपी लोकायुक्त मनु व्यास के कार्यालय में शिकायत की थी।

भोपाल में ट्रैवलर वाहन से गांजा तस्करी करने वाले गिरफ्तार

- छत में बना रखा था गांजा छिपाने का बॉक्स, ओडिशा से लाते थे मादक पदार्थ

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने दो शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्रैवलर वाहन से ओडिशा से भोपाल तक गांजा बाय रोड लाते थे। वाहन की छत को काटकर बॉक्स बनाया गया था। इसी में गांजा छिपाकर लाया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से साढ़े चार किलो गांजा सहित ट्रैवलर को जब्त कर लिया है। जब्त माल की कीमत साढ़े पांच लाख रुपए बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार की रात को सूचना मिली कि जंबूरी मैदान पिपलानी मे दो लोग एक सफेद रंग की ट्रेवलर गाडी क्रमांक MP41L0131 मे बैठे हैं। दोनों ग्राहक को गांजे की डिलीवरी देने के इंतजार में है। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। घेराबंदी कर दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। ट्रैवलर की तलाशी लेने पर पीछे की सीट के नीचे काले रंग के पिट्ठू बैग मिला जिसको बैग को खोलकर देखा तो उसके अंदर चार पैकेट ब्राउन रंग के टेप से लिपटे हुए मिले। इन पैकेट में साढ़े चार किलो गांजा रखा हुआ था।

एमपी को बेस्ट प्रोमोशनल पब्लिकेशन बाय स्टेट अवॉर्ड

- उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल बोले- मध्यप्रदेश में पर्यटन क्रांति लाएगा आईएटीओ
- पर्यटन की दृष्टि से देश में बनेगा अग्रणी राज्य, पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी: लोधी

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनेगा। देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए तीन क्रांतियां जरूरी है। पहली हरित क्रांति, दूसरी औद्योगिक क्रांति और तीसरी पर्यटन क्रांति है। देश और मध्यप्रदेश में पर्यटन क्रांति को लाने में आईएटीओ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आईएटीओ के 39वें अधिवेशन के समापन समारोह को होटल ताज में संबोधित कर रहें थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन स्थलों का प्रचार प्रसार बहुत जरूरी है। आईएटीओ के सदस्य इस अधिवेशन के माध्यम से मध्यप्रदेश के पर्यटन को करीब से जानेंगे और पर्यटकों को इसकी जानकारी देंगे। इससे निकट भविष्य में मध्यप्रदेश में विदेशी पर्यटकों की संख्या में काफी

इजाफा होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आईएटीओ के सदस्य टूर और ट्रैवल ऑपरेटर से विदेशी पर्यटकों के बीच मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों का प्रचार करने और मध्यप्रदेश आने के लिए प्रेरित करने का आग्रह भी किया। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पर्यटन की दृष्टि से देश में अग्रणी राज्य बनेगा। मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के आईएटीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री श्री लोधी ने आईएटीओ सदस्यों को मध्यप्रदेश की पर्यटन संबंधी विशेषताओं और पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने के शासन के प्रयासों की जानकारी दी।मंत्री श्री लोधी ने कहा कि कन्वेंशन के बाद सभी आईएटीओ सदस्यों को FAM टूर के माध्यम से मध्यप्रदेश का भ्रमण कराया जायेगा। सभी सदस्य मध्यप्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति को करीब से जान पायेंगे। मंत्री श्री लोधी ने सभी आईएटीओ सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में मध्यप्रदेश में आमंत्रित करने का आग्रह किया। आईएटीओ अध्यक्ष श्री राजीव मेहरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने आईएटीओ सदस्यों की तरफ से मध्यप्रदेश में अधिक संख्या में पर्यटकों को लाने का भरोसा भी दिया। आईएटीओ अध्यक्ष श्री राजीव मेहरा ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल और राज्यमंत्री श्री लोधी को सम्मान स्वरूप भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा भेंट की। आईएटीओ के मध्यप्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आईएटीओ ने पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्यों और संस्थाओं को सम्मानित किया। इसमें मध्यप्रदेश को बेस्ट प्रोमोशनल पब्लिकेशन बाय स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने ग्रहण किया। कायर्क्रम के समापन अवसर पर प्रख्यात स्टैंड अप कॉमेडियम सुगंधा मिश्रा ने परफॉर्म किया और अपनी मिमिक्री स्टाइल से कॉन्फ्रेंस हॉल में मौजूद लोगों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम श्री इलैयाराजा टी, आईएटीओ उपाध्यक्ष श्री रवि गोसाई सहित आईएटीओ के सदस्य उपस्थित रहें। अधिवेशन के तीसरे दिन की शुरुआत 'रन फॉर रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म' से हुई। वीआईपी रोड से शुरू हुई 5 किमी दौड़ को प्रबंध संचालक, पर्यटन विकास निगम श्री इलैयाराज टी एवं टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक (एएमडी) सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने हरी झंडी दिखाई। देशभर से आए IATO के 500 से ज्यादा सदस्यों ने दौड़ में भाग लेकर पर्यावरण अनुकूल पर्यटन का संदेश दिया। दौड़ का समापन इंपीरियल सेगवे से होते हुए गौहर महल पर हुआ। इस दौरान उन्हें भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य और विरासत का मिश्रण देखने का मिला।

फैम टूर से मध्यप्रदेश भ्रमण करेंगे 350 सदस्य

मध्यप्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, गौरवशाली इतिहास, वैभवशाली संस्कृति, विविध वन्यजीवन से दुनियाभर के पर्यटकों को अवगत कराने के लिए पोस्ट इवेंट फेम टूर संचालित किये जा रहे हैं। आईएटीओ के सदस्य को इंदौर, उज्जैन, भोपाल, रीवा, पचमढ़ी, भोजपुर, भीमबेटका, सांची, धार इत्यादि पर्यटन गंतव्यों में ले जाकर पर्यटन स्थलों की विशेषताओं और पर्यटन सुविधाओं से अवगत कराया जायेगा। कुल 10 फैम टूर में 350 से अधिक आईएटीओ सदस्य शामिल हो रहे हैं। अधिवेशन के अंतिम दिन के पहले सेशन में 'पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में तालमेल' पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान भारत में निजी क्षेत्र में पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के शीर्ष निकाय का नेतृत्व करने वाले विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को संयुक्त क्षेत्रों की पहचान करके, सहयोग करने और नेटवर्किंग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस सत्र में पद्मश्री अजीत बजाज, फेथ संस्था के वाइस चेयरमैन अमरेश तिवारी, TAAI की प्रेसिडेंट ज्योति मयाल ने अपने विचार रखे।

संपादकीय

महिला सुरक्षा का ज्वलंत प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सुरक्षा के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में फैसले जितनी जल्दी आएंगे, जनता का न्याय व्यवस्था में भरोसा उतना ही बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने यह बात दिल्ली में जिला अदालतों की नेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं। 2019 में सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की थी। इसके तहत अहम गवाहों के लिए डिपोजिशन सेंटर्स का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इसमें भी डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी की भूमिका अहम है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट जज, डीएम और एसपी शामिल होते हैं। इन कमेटी को और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचारों से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही अधिक आश्वासन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने जो कहा, उससे शायद ही कोई असहमत हो। इसका कारण यह है कि बीते कुछ वर्षों में महिला सुरक्षा का मुद्दा बहुत गंभीर हो गया है। माना जाता था कि दिल्ली में निर्भया कांड के बाद ऐसे मामलों में कमी आएगी। लेकिन हम देख रहे हैं कि उलटा ही हो रहा है। पुरूष समाज महिलाओंके प्रति और असहिष्णु और क्रूर होता जा रहा है। कुछ मामलों में महिलाएं भी ऐसे कामों में लिप्त पाई गई हैं। आज देश में ऐसी जगहें शायद ही बची हैं, जहां महिलाएं खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करने का दावा कर सके। फिर चाहे वो कार्य स्थल हों, सार्वजनिक स्थान हो या घरेलू काम करने वाली महिलाएं हों। और तो और अब अपने घरों में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं रह गई है। अबोध बालिकाओं के साथ भी बलात्कार और यौनाचार की घटनाएं समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। इसमें बहुत बड़ा योगदान इंटरनेट पर परोसे जाने वाले पोर्न का भी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत भर में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गए, यानी प्रत्येक घंटे लगभग 51 प्राथमिकी और यह पिछले वर्ष की तुलना में 4 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने जो कहा उसमें महिला सुरक्षा को लेकर उनकी चिंता तो है ही, साथ परोक्ष रूप से पश्चिम बंगाल सरकार पर कटाक्ष भी है, जहां एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में रात में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार के बाद निर्मम हत्या कर दी जाती है। जिसके बाद पूरा देश आक्रोश से भर उठता है। ऐसी दरिंदगी की शिकार महिलाओं को समय पर और सही न्याय मिले, इसकी जिम्मेदारी अदालतों, पुलिस और जांच एजेंसियों की है। हकीकत यह है कि देश में ऐसे मामले फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलने के बाद भी पीड़ित पक्ष को जल्द न्याय शायद ही मिल पाता है। इसका कारण हमारी लचर न्याय प्रणाली भी है। महिला उत्पीड़न के मामले (अगर वो ब्लैकमेलिंग नहीं है तो) दो साल के अंदर फैसले आ जाने चाहिए। सरकार ने बलात्कार और हत्या के मामले में फांसी की सजा का प्रावधान किया है, लेकिन लंबी अदालती प्रक्रिया के चलते वास्तव में फांसी की सजा बहुत ही कम लोगों को हो पाती है। उनमें से भी कोई अपवादस्वरूप फांसी पर चढ़ाया जाता है। गौरतलब है कोलकाता मेडिकल कॉलेज रेप मामले में भी राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्र से महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सख्त कानून बनाने की मांग कर रही है। इसे लेकर सीएम ममता ने 22 अगस्त और 30 अगस्त को पीएम को दो चिट्ठी भी लिखी थी। जिसका मोदीजी ने कोई जवाब नहीं दिया है।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

समान नागरिक संहिता-विमर्श

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने राजनैतिक एजेंडे के लिए 15 अगस्त का दिन चुना। उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से भाषण देते हुए कहा कि देश में सेकुलर सिविल कोड की आवश्यकता है। भारत 75 वर्ष से कम्युनल सिविल कोड से चल रहा है। उन्होंने भारत के संविधान के उस अनुच्छेद का भी जिक्र किया है जिसमें संविधान निर्माताओं ने यह निष्कर्ष दिया था कि समान नागरिक संहिता का लक्ष्य रहेगा। संविधान निर्माण के समय जो देश की परिस्थितियां थीं उनमें कई मुद्दों का समावेश एक कार्यक्रम के तौर पर जिसे तत्काल लागू किया जाना समय अनुकूल नहीं था और इसलिए उन्होंने अनुच्छेद 44 में ऐसे मुद्दों को लक्ष्य तो माना था परंतु उन्हें तत्काल लागू न कर देश के नीति निर्देशक सिद्धांत में शामिल किया था। हालांकि आजादी के बाद भी इस दिशा में कई बार पहल हुई, विशेषकर दो घटनाएं उल्लेखनीय है-एक पहली निर्वाचित सरकार के समय डॉ. अम्बेडकर ने हिंदू कोड बिल का प्रारूप तैयार किया था। बताया जाता है कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस काम के लिए सहमति प्रदान की थी। बाबा साहब का हिंदू कोड बिल एक तरह का क्रांतिकारी दस्तावेज था जो हिंदू समाज की कट्टरता, अंधविश्वास और कुरीतियों को रोककर समाज में बदलाव लाना चाहता था। परंतु कुछ जनमत को समझकर और कुछ अपने सहयोगियों तथा तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के विरोध और हस्तक्षेप के कारण जवाहरलाल जी पीछे हट गए। मैं नहीं जानता कि इसमें उनकी निजी राय क्या थी। वह एक चतुर राजनेता थे जो अपनी कुर्सी की सलामती के लिए निर्गुण जुमले तथा द्विअर्थी भाषा का इस्तेमाल करते थे। हालांकि बाबा साहब उनके पीछे हटने से बहुत क्षुब्ध हुए थे और इस टकराव का परिणाम बाबा साहब के मंत्रिमंडल से त्यागपत्र के रूप में सामने आया।

डॉ. लोहिया ने समाजवादी सिद्धांतों के आधार पर और समाज को धार्मिक कट्टरताओं से और विशेषकर नारियों को समाज द्वारा जकड़े गए बंधनों से मुक्त करने के लिए कॉमन सिविल कोड की चर्चा और बहस शुरू की थी। डॉ. लोहिया सही अर्थों में एक धर्मनिरपेक्ष नेता थे जो किसी भी प्रकार की कट्टरता को चाहे वह किसी भी धर्म की क्यों ना हो अस्वीकार करते थे। समान नागरिक संहिता के सवाल को उन्होंने किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि समाज को एक प्रगतिशील आगे देखूं और बराबरी का समाज बनाने के लिए उठाया था यद्यपि उस दौर में भी हमारे देश के तथाकथित प्रगतिशील और छद्म धर्म निरपेक्ष लोगों की जमात थी जो अपनी धार्मिक कट्टरता के बचाव के लिये लोहिया की आलोचना करते थे। लोहिया अपने विचारों पर इतने स्पष्ट और दृढ़ थे कि उन्होंने कभी भी अपने निजी राजनीतिक नफा नुकसान की चिंता नहीं की, यहां तक कि जब वह फर्रुखाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़े और उनके चुनाव की आखिरी सभा जो मुस्लिम इलाके में थी, में जब वे भाषण करने जा रहे थे तो रास्ते में उन्हें पार्टी के समाजवादी साथियों जिनमें मरहूम कैप्टन अब्बास अली, स्वर्गीय रेवती रमण सिंह आदि थे, ने इशारों में कहा कि श्हम लोग चुनाव जीत रहे हैं, और अगर आज आप मुस्लिम बहुल क्षेत्र में कॉमन सिविल कोड के बारे में ना बोलें तो बहुत लाभ होगा। डॉ. लोहिया चुप रहे उन्होंने उस समय कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की पर चुनावी सभा में जाकर उन्होंने अपनी बात यहीं से शुरू की कि आज मुझे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि मैं आपके इलाके में समान नागरिक कोड की चर्चा न करूँ, पर मैं अपने विचारों को छुपाना या धोखा देना बड़ा पाप मानता हूं। मैं समान नागरिक संहिता के पक्ष में हूँ और इसके लिए उन्होंने कारण गिनाए। तत्कालीन कांग्रेस पार्टी के लोगों ने इसका बहुत दुष्प्रचार किया। मुस्लिम मतदाताओं को बताया कि डॉ लोहिया तुम्हारे धर्म को मिटाना चाहते हैं। मुस्लिम मतदाताओं ने इस दुष्प्रचार से प्रभावित होकर लगभग लोहिया जी को वोट नहीं किया। जो लोहिया पिछला चुनाव 50000 वोटों से जीते थे, वह थोड़े से अंतर से ही यह चुनाव जीत पाए थे। इतना ही नहीं चुनाव के बाद लोहिया के खिलाफचुनाव याचिका भी दायर कराई गई थी। लोहिया के अनेकों मुस्लिम अनुयायियों ने भी लोहिया को पत्र लिखकर अपने संदेह प्रकट किये थे और उनसे लोहिया का पत्राचार हुआ था। लोहिया ने उन्हें उत्तर देते हुए कहा था कि मैं राजकीय बहुमत के आधार पर कानून बनाने का पक्षधर नहीं हूं परंतु मैं देश को सहमत कराकर परिवर्तन को स्वीकार करने का पक्षधर हूँ।

मैंने दो घटनाओं का विशेष उल्लेख इसलिए किया कि जिस समय लोहिया यह सवाल उठा रहे थे उस समय आज की भाजपा सरकार के मुखिया कहां थे नहीं मालूम? आज से लगभग 64 वर्ष पूर्व वो कहां और किस रूप में रहे होंगे यह वे ही बता सकते हैं। हालांकि वे अपने आपको भगवान का गैर जैविक अवतरण मानते हैं और अगर कहीं वह यह कह दें कि उस अल्पायु में भी वे समान नागरिक संहिता को मानते थे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा? प्रधानमंत्री जी ने कॉमन सिविल कोड जो 60 के दशक में लोहिया के द्वारा इस्तेमाल किया गया था और बाद में मोदी जी की सरकार के पहले कार्यकाल में विधि आयोग ने जिस यूनिफार्म सिविल कोड शब्द का इस्तेमाल किया। अब इसे प्रधानमंत्री जी ने लालकिले की प्राचीर से सेकुलर सिविल कोड में बदल दिया। हालांकि अगर शाब्दिक अर्थ पर जाया जाए तो आज भी समान नागरिक संहिता ज्यादा उचित लगता है। जिस प्रकार ब्रिटिश काल में इंडियन सिविल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड सभी को समान बनाए गए थे उसी प्रकार सभी धर्म, जाति से उठकर समान नागरिक संहिता या समान नागरिक सिविल कोड बने यह उद्देश्य था।

अपनी बदनीयत या राजनीतिक अपराध को छिपाने के लिए कई बार सरकारें चातुर्य पूर्ण ढंग से कानून का नाम ऐसा रखते हैं जो कानून के शाब्दिक अर्थ या वास्तविक के विपरीत होते हैं।

जब शाहबानो वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने तलाकशुदा महिला को गुजारा भत्ता देने का निर्णय किया तब मुस्लिम समाज के दबाव में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को बदलने के लिए और जो कानून ब्रिटिश काल से लगभग 100 वर्ष पूर्व से लागू था उसे बदलने के लिए भारत सरकार ने संवैधानिक संशोधन कर मुस्लिम महिलाओं को गुजारे भत्ते के अधिकार से वंचित करने का कानून बनाया और उसका नाम रखा मुस्लिम महिला अधिकार विधेयक। अब यही खेल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोहरा रहे हैं। उन्होंने विधि आयोग के द्वारा प्रयुक्त शब्द यूनिफार्म सिविल कोड को सेकुलर सिविल कोड कहकर अपने राजनैतिक लक्ष्य साधने का प्रयास किया है। समान नागरिक संहिता बने मैं यह चाहता हूँ और उसके लिए मैंने भी कई कष्ट उठाए। सन 1995 में जब मैं समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय महामंत्री था और बांदा हमीरपुर के दौरे पर गया था तब मैंने वहां प्रेस कांफ्रेंस में समान नागरिक संहिता का समर्थन किया था और लोहिया को उद्धत किया था। मैं बांदा से वापिस भोपाल पहुंचा। भोपाल पहुंचते ही सबसे पहला फोन मेरे पास स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी का आया था और उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें सतपाल मलिक और केसी त्यागी ने बताया है कि मैंने समान सिविल कोड के पक्ष में बयान दिया है। मैंने कहा कि हाँ, मैंने ऐसा बयान दिया है और मैं डॉक्टर लोहिया की इस बात से सहमत हूँ कि देश में समान नागरिक संहिता बननी चाहिए। स्वर्गीय मुलायम सिंह ने कहा कि अब यह जरूरी नहीं है कि लोहिया की हर बात को माना जाए, इससे मुस्लिम मतदाता खिलाफ हो जाएंगे। मैंने कहा कि क्योंकि मैं डॉ. लोहिया की बात से सहमत हूँ और इस खिलाफ्त से संवाद करने तैयार हूँ। इसको लेकर मेरे और स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के बीच याने अध्यक्ष और महामंत्री के बीच एक वैचारिक लाइन खिंच गई थी और यही वे श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने 2019 के चुनाव के पूर्व सांसद में बड़े गर्व के साथ कहा था कि अब मुझे मुलायम सिंह जी ने आशीर्वाद दे दिया है कि मैं पुनरू प्रधानमंत्री बनूँगा और स्वर्गीय मुलायम सिंह की मृत्यु के बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनीतिक कर्ज की अदायगी करते हुए श्री मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण से विभूषित किया है। क्या श्री नरेन्द्र मोदी अपने इस अंतरविरोधी काम पर खेद व्यक्त करेंगे? हालांकि मैं जानता हूँ कि श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अवसरवादिता पर ना खेद व्यक्त करेंगे ना शर्मिंदा होंगे। क्योंकि वे जानते हैं कि जनता की याददाश्त कमजोर होती है और मीडिया ही उसे जगा सकता है।

सेकुलर शब्द का इस्तेमाल करके प्रधानमंत्री क्या यह कहना चाहते हैं कि अभी तक सिविल कोड कम्युनल था? और यदि वह कम्युनल था तो 10 वर्ष से वे सरकार में हैं या उसके पहले करीब 7 वर्ष तक उनकी पार्टी की ही अटल जी वाली सरकार रही तो यह माना जाएगा कि प्रधानमंत्री जी अभी तक कम्युनल थे और 15 अगस्त 2024 को उनका रूपांतरण सेकुलर रूप में हुआ।

प्रधानमंत्री जी जिस संविधान की शपथ लेकर प्रधानमंत्री बने तो क्या यह माना जाए कि वे सांप्रदायिक संविधान की शपथ ले रहे थे?

बांग्लादेश की घटनाओं से प्रधानमंत्री जी और उनकी मातृ संस्था काफी उत्साहित हुई है विशेषतः श्रीमती शेख हसीना के पलायन के बाद जो कुछ हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ हुई और कुछ हत्याएं हुईं उसे भी वे अपनी राजनीति और चुनाव का मुद्दा बनाना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने इन दोनों बातों को अपने भाषण में केंद्र बिंदु बनाया है।

मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूँ कि समान शब्द में और धर्मनिरपेक्ष शब्द में कुछ फर्क है, अगर आप केवल विधि आयोग के यूनिफार्म शब्द का प्रयोग करते हैं तो देश में एक सकारात्मक संदेश जाता है और जब प्रस्तावित संहिता को सेकुलर कहते हैं वो आप केवल मजहबी जमात को और कुछ राजनीतिक दलों को संबोधित कर रहे होते हैं। निसंदेह उनकी बात से मैं भी सहमत नहीं हूँ। हालांकि इससे इतना तो अच्छा हुआ कि अब प्रधानमंत्री जी और उनकी जमात को संविधान की प्रस्तावना से सेकुलर शब्द हटाने का विचार छोड़ देना चाहिए। अगर एक शब्द परिवर्तन से प्रधानमंत्री जी सेकुलरिज्म को स्वीकार करते हैं तो इससे मुझे खुशी ही होगी। अंत में मैं प्रधानमंत्री जी से अनुरोध करूँगा कि वह अपनी कल्पना के सेकुलर सिविल कोड को प्रसारित करें। उस पर चर्चा करायें और आम राय बनाने की पहल करें। मेरे बहुत सारे मुस्लिम मित्र हैं, जो कामन सिविल कोड के पक्ष में हैं। अगर प्रधानमंत्री जी यह पहल करेंगे तो उन्हें धर्म और वर्गों से हटकर व्यापक समर्थन मिलेगा और लोहिया की नसीहत जो लोकतंत्र की बुनियाद है कि कानून बहुमत से नहीं बल्कि आम सहमति से बनाया जाना चाहिए जो लगभग सर्व स्वीकार्य हो, पर अमल होगा।

पहल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रयास रंग लाए, बाघ संरक्षण को मिली प्रशंसा

इसे आप एक संयोग ही मान सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कहते हैं, 'सुप्रीम कोर्ट ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है, यह भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की यात्रा है। इस यात्रा में संविधान निर्माताओं और न्यायपालिका के अनकों मनीषियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसमें उन करोड़ों देशवासियों का भी योगदान है, जिन्होंने हर परिस्थिति में न्यायपालिका पर अपना भरोसा अडिग रखा, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के यह 75 वर्ष मदर ऑफ डेमोक्रेसी के गौरव को और बढ़ाते हैं। इसलिए इस अवसर में भी गर्व और प्रेरणा भी है। एक तरफ पीएम मोदी का यह उद्बोधन भारत के संविधान के प्रति विश्वास और अपनी न्यायप्रणाली विशेषकर उच्चतम न्यायालय एवं अन्य न्यायालयों के प्रति विश्वास व्यक्त कर रहा था तो दूसरी ओर बहुत समय बाद यह देखने में आया कि न्यायालय ने केंद्र की भाजपा सरकार के पिछले 10 वर्षों से किए जा रहे प्रयासों एवं मध्यप्रदेश सरकार समेत बाघ संरक्षण के लिये कार्य कर रहे अन्य राज्यों के प्रयासों और सफलता के लिये खुलकर उनकी सराहना की है।

कहना होगा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघ भारत में हैं। देश में बाघों की संख्या वर्ष 2014 में 2226 से बढ़कर अब 3682 हो गई है। इसमें मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। बीच में जब बाघों की संख्या घट रही थी तो यह ना सिर्फ भारत के पर्यावरणविदों के लिए बल्कि दुनिया भर में जैव विविधता के प्रेमी और वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया था। उसके बाद जब 2014 में केंद्र में भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार आई, तब जिस तरह से विदेशी जैव वैज्ञानिकों के साथ भारत के वैज्ञानिकों ने मिलकर कार्य किया और वहीं राज्यों के स्तर पर जो कार्य वन विभागों के साथ मिलकर राज्यों के अन्य विभागों ने किया, यह उसी का परिणाम है जो आज एक अच्छी-खासी संख्या में भारत में बाघों की संख्या बढ़ सकी है।

प्रधानमंत्री आज जब यह बोल रहे थे कि ''आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत यानी- सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत।'' तब निश्चित ही उनके इस कथन में सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था, राजनीतिक तंत्र या प्रशासनिक व्यवस्था नहीं आती है। उसमें समग्रत से भारत का वह सभी कुछ समाहित हो जाता है, जिसके होने से भारत, भारत है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और पी वी संजय कुमार की बैंच का धन्यवाद है कि उन्होंने केन्द्र सरकार की सराहना करते हुए जैव विविधता की दृष्टि से बाघ संरक्षण, विकास और उनकी वृद्धि को 'अच्छा कार्य' बताया है।

इस राज्य में बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य कारण आज ध्यान में आते हैं। पहला गांवों का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए जिससे शाकाहारी जानवरों की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। पन्ना टाईगर रिज़र्व में ड्रोन से सर्वेक्षण

और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टीगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ाया गया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण पन्ना टाइगर रिजर्व है जिसका अपना ड्रोन स्क्वाड है। हर महीने इसके संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे वन्य जीवों की लोकेशन खोजने, उनके बचाव करने, जंगल की आग का स्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव और पशु संघर्ष के खतरे को टालने, वन्य जीव संरक्षण कानून का पालन करने में मदद मिल रही है।

वस्तुतः यह किसी सी छिपा नहीं है कि बाघों की पुर्नस्थापना का काम एक अत्यंत कठिन काम है, जोकि मध्य प्रदेश ने दिन-रात की मेहनत से किया जा रहा है । डॉ. मोहन यादव की सरकार इसके लिए हर संभव मदद अपने कर्मचारियों को उपलब्ध करा रही है। यदि महंगे से महंगे पशु चिकित्सक, बाघ विशेषज्ञ की जहां आवश्यकता होती है, उन्हें सरकार वहां पहुंचाने में जरा भी देरी नहीं करती। कहीं भी बाघ पर कोई संकट आता दिखता है, पूरा वन अमला उसकी सुरक्षा में जुटा हुआ दिखाई देता है ।

यही कारण है जो वर्ष 2006 से बाघों की संख्या का आंकड़ा बढ़ता दिखा, आगे यही वर्ष 2010 में बाघों की संख्या 257 तक पहुंच गया था । इसे बढ़ाने के लिए बाघों के उच्च स्तरीय संरक्षण और संवदेनशील प्रयास जरूरी थे। जिसके लिए मध्य प्रदेश में मानव और वन्यप्राणी संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए 16 रीजनल रेस्क्यू स्क्वाड और हर जिले में जिला स्तरीय रेस्क्यू स्क्वाड बनाए गए। वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए वन्यप्राणी अपराध की खोज में विशेषज्ञ 16 श्वान दलों का गठन किया गया। राज्य स्तरीय स्ट्राइक फोर्स ने पिछले आठ वर्षों में वन्यप्राणी अपराध करने वाले 550 अपराधियों को 14 राज्यों से गिरफ्तार किया गया । संरक्षित क्षेत्र के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए बजट की व्यवस्था की गई। वन्य प्राणी पर्यटन से होने वाली आय की स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी की एक नई शुरूआत हुई।

प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उदयानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से 50 से अधिक गाँवों का विस्थापन किया जाकर बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच, और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गाँवों को विस्थापित किया जा चुका है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का 90 प्रतिशत से अधिक कोर क्षेत्र भी जैविक दबाव से मुक्त हो चुका है। मध्यप्रदेश ने टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है।

भारत सरकार की टाइगर रिज़र्व के प्रबंधन की प्रभावशीलता मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार पेंच टाइगर रिजर्व ने देश में सर्वोच्च रैंक हासिल की है। बांधवगढ़, कान्हा, संजय और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन वाले टाइगर रिजर्व माना गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है। अब यहां बाघ वृद्धि का सकारात्मक दृश्य देखकर कहना यही होगा कि देश के अन्य राज्यों के बीच मध्य प्रदेश के लिए सबसे अधिक खुशी की बात यह है कि यहां टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की संख्या बढ़ रही है और यह संख्या 526 से बढ़कर 785 तक जा पहुंची है जोकि देश के किसी भी राज्य की तुलना में सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश के बाद कर्नाटक में 524 बाघों की संख्या है, वहीं, आज उत्तराखंड 442 बाघों के साथ तीसरे नंबर पर है । प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। इसके लिए पूर्व में मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान का तो धन्यवाद है ही साथ ही सबसे अधिक आभार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का है, जिन्होंने पर्यावरण एवं जैववैविध्य को अपने अन्य कार्यों की प्राथमिकता की सूची में प्रमुखता से रखा है।

कंट्री तरक्की कर रही है

कटाक्ष

सुरेश रायकवार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दयाराम जी ने अपने पड़ोसी नेता आसवानजी से पूछा- आजकल आपकी मिनिस्टरी कैसी चल रही है। नेताजी ने तपाक से उत्तर दिया - आपके आशीर्वाद से खूब फल-फूल रही है, लगभग हर विभाग के मंत्री बन चुके हैं और अब विदेश विभाग की जुगाड़ चल रही है।

दयारामजी ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए अपना दूसरा प्रश्न उछाला- अच्छा ये बताइये, देश के विकास की गाड़ी कैसी चल रही है। नेताजी तुरंत बोले- हमारी कंट्री तरक्की कर रही है बस। आपको कोई शक!

दयारामजी ने अब तो प्रश्नो की झड़ी लगा दी और बोले- जनसंख्या बढ़ रही है,सरकार तरह तरह के ऋण ले रही है,बेरोजगारी बढ़ रही है,नारी जगह जगह अपमानित हो रही है। समस्याएँ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, देश की आधी से ज्यादा आबादी भूखी पल रही है और आप कह रहे है, कंट्री तरक्की कर रही है!

नेताजी ने बड़े ही शांत भाव से उत्तर दिया। वे बोले- हमारे देश के लिए कितने फक्र की बात है कि हमने हमारे प्रतिद्वंदी देश चीन को कम से कम जनसंख्या के मामले में दूसरे नंबर पर धकेल दिया है। धन्य है देश के नागरिक जिनके अटूट प्रयासों से आज हमारा देश विश्व में नंबर वन हो गया है। अब आप इसे उपलब्धि ना माने आपकी मर्जी, हमारी सरकार तो इसे भी तरक्की मान रही है और इसीलिए मैं कह रहा हूँ कि कंट्री तरक्की कर रही है।

दयाराम जी ने फिर प्रश्न किया-आपकी सरकार विदेशों से ऋण पर ऋण ले रही है, ऋण के बोझ से जनता बेचारी दबी जा रही है, भुगतान क्षमता से अधिक ऋण लेंगे तो आखिर कितने दिन आजाद रहेंगे? सरकार रुपये का अवमूल्यन पर अवमूल्यन कर रही है, और आप कहते हो - कंट्री तरक्की कर रही है!

नेताजी मुसकुराते हुए बोले - हमारी सरकार ऋण पर ऋष्ा ले रही है। अरे दयारामजी,ऋण लेकर हमारे प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों को ही तो बचा रही है। ऋण लेकर घी पीना हमारी प्राचीन संस्कृति है, हमारी सरकार इसी परंपरा को तो निभा रही है। इसीलिए कह रहा हूँ - कंट्री तरक्की कर रही है।

दयाराम जी ने फिर पूछा- लोग परेशान हो रहे हैं, सरकार के बनाए पुल रोज गिर रहे है। यदि कंट्री तरक्की कर रही है तो ये मंहगाई क्यों बढ़ रही है?

दयाराम जी सरकार को सब तरफ सोचना पड़ता है- अब पुल गिरेंगे नहीं तो नए-नए पुल बनेंगे कैसे? नए पुल बनेंगे तभी तो सीमेंट का, लोहे का उत्पादन बढ़ेगा और मजदूरों को मजदूरी, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। देश में उत्पादन बढ़ेगा तभी तो देश की जीडीपी का ग्राफ भी बढ़ेगा।

जहां तक महंगाई का सवाल है तो कहते हैं सस्ता रोये बार बार, मंहगा रोये एक बार। महंगाई बढ़ेगी, तब ही तो हमारे देश का व्यापारी समृद्ध होगा और व्यापारी समृद्ध तो देश समृद्ध। अब कुछ समझे आप?

दयारामजी बोले अच्छा ये बताइये- देश में नारी का सम्मान घट रहा है, अत्याचार बढ़ रहा है, दहेज प्रथा बदस्तूर जारी है, बहुएँ अब भी रोजाना जल रही है और आप कहते हैं - कंट्री तरक्की कर रही है!

अरे दयारामजी अब आपको कैसे समझाऊँ - अपने देश में नारी का सम्मान होता ही कब था जो अब कम हो रहा है। वह तो कल भी असहाय थी और उसका आज भी शोषण हो रहा है, जहां तक दहेज प्रथा का सवाल है तो कहना होगा कि लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है, तभी तो दहेज की राशि दिनोदिन बढ़ रही है। अब आप इसे समस्या मानते हैं यह आपकी समस्या है, हमारी सरकार तो इसे भी आर्थिक उपलब्धि ही मान रही है।

अब तो आप समझे- हमारी कंट्री तरक्की कर रही है। नेताजी अपने चिरपरिचित अंदाज में मुस्कुराकर एवं हाथ जोड़कर बोलते हुए संसद की ओर प्रस्थान कर गए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

स्टार्ट-अप चालू है

यों तो हर आदमी चिंतक टाइप हो रहा है आजकल। घटते रोजगार, बढ़ती छंटनी और डबल पुलिस व्यवस्था के कारण लोग बैठे आसमान ऐसे ताकते रहते हैं जैसे आदमी नहीं छत पर लगी टीवी डिस्क हों। ज्योतिषियों को नहीं मालूम कि कल कौन से शत्रु-ग्रह मित्र-ग्रह हो जाएंगे । राजनीति सिर्फ जमीन की ठेकेदारी में नहीं है। जहाँ भी बलवान और कमजोर ग्रह हों उठापटक शुरू हो ही जाती है । कल धूप खिलेगी या बरसात होगी ये मौसम विभाग वाले भी पूरी दमदारी से बोल नहीं सकते हैं। पल और कल की इतनी अनिश्चितता है कि 'ढोल, गंवार, पशु, शूद्र, नारी' सब चिंतन के अधिकारी हो रहे हैं । इस माहौल में दसपुत्रे जी सबसे अलग और बड़े वाले चिंतक हैं। उनकी चिंता खासतौर पर यह है कि किसी दिन सरकार 'टप्प' से गिर ना जाए। जैसे ही टीवी पर ब्रेकिंग न्यूज आती है उनकी जान 'धुक्क' हो जाती है । टीवी वालियों पर उनको बहुत गुस्सा है । सियारों की तरह इतना 'हुक्का हुआ' चीखतीं हैं कि लगता है देश जंगल में तफ़दील हो रहा है । इधर दसपुत्रे सरकार को ऐसे दिल पर लिए बैठे हैं मानो हुकूमत के सबसे ज्यादा शेयर उनके पास हैं । वे मानते हैं कि सरकार उनकी निजी है। और हो क्यों नहीं आखिर कड़क वोट देकर खुद उन्होंने बनाई है। अपनी के साथ कुछ हो जाए तो इज्जत का सवाल होता ही है। दूसरों की गिराई जाती है तो उनकी गठिया वाली टांगे भी ब्रेक डांस करने लगती हैं। पिछले वर्षों में जब भी दूसरों की गिरी, उनके घर पर ढोल अवश्य बजे। फिसलन की तमाम आशंकाओं के बीच आज उनका एक ही एजेंडा है की सरकार को मजबूती से चलाने के लिए वे अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

पिछली बार जीत के लिए दसपुत्रे जी ने सप्तकुंडी हवन करवाया था। चमत्कार देखिए कि सरकार नहीं बनते बनते आखिर में बन ही गई। इस बार उनका इरादा एकादश-कुंडी हवन करने का है। हवन कर्मियों ने अलिखित गारंटी दी है कि सरकार पूरे पाँच साल चलवा देंगे। जब दसपुत्रे जी ने गारंटी पर उंगली रखते हुए पूछा यदि नहीं चली तो? हवन-कर्मी बोले हमारी गारंटी पिछली सभी गारंटियों से पक्की है। फिर भी सरकार नहीं चली तो उसका कारण हवन सामग्री में अशुद्धि और घी में मिलावट को समझा जाए। फिलहाल दसपुत्रे शुद्ध हवन सामग्री और बिना मिलावट का घी ढूंढने में पूरी ताकत लगा रहे हैं।

इस बीच अलग किस्म के कुछ लोगों ने समझाया कि ÷दसपुत्रे जी हवन अवन से कुछ होने वाला नहीं है। आप तो फेक न्यूज़, फेक फोटो, फेक वीडियो और फेक मैसेज बनाने की फैक्ट्री डाल लो। स्टार्ट-अप चालू है । हर दिन हजारों फेक सूचनाएँ जनता के बीच पहुँचेंगी तो सारे रोबोट की तरह काम करने लगेंगे। किसी को कुछ समझ में नहीं आएगा कि सच क्या है। सच को नहीं जानने देना बड़ी और कुशल राजनीति है आज की डेट में। और झूठ को विश्वास में बदल देना दीर्घकालीन सफलता है। नेताजियों को देखते ही लोग घंटा बजाने लगें, आरती गाने लगें तो भला उस सरकार को गिराने के लिए मंगल ग्रह वाले आएंगे क्या !

अचानक अंधेरा अंधेरा सा लगने लगा। घबराए दसपुत्रे जी बोले - ' देखो जरा बाहर! अंधेरा सा क्यों लग रहा है! सूर्य ग्रहण लग गया है क्या? सूर्य ग्रहण नहीं लगा है दसपुत्रे जी । आपकी एक नेत्री का बयान आया है कि किसानों ने यह किया वह किया। लेकिन आप चिंता कतई ना करें। पार्टी ने साफ-साफ कह दिया है की नेत्री भले हमारे गले पड़ी हो पर बयान हमारे गले का नहीं है। वैसे भी बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है, वे जुमलों से अधिक कुछ नहीं होते हैं, बोले चाहे कोई भी। जनता एक काम से सुनेगी और दूसरे कान से तुरंत निकाल देगी। आप फिक्र ना करें।

अरे बकवास बंद करो जी। 'दसपुत्रे जी बोले-' जाओ तलाश करो कहीं शुद्ध घी मिलेगा क्या।

न्याय और कानून

भारत में बीमा पॉलिसी-1

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

देश में जीवन बीमा को नियंत्रित करने वाले कानून

बीमा को भारत के संविधान में सातवीं अनुसूची (संघ सूची) में सूचीबद्ध किया गया है। इसका अर्थ है कि इस पर केवल केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाया जा सकता है। आईआरडीए भारत में सभी बीमा कारोबार को नियंत्रित करता है। वे बीमा कंपनियों के लिए लाइसेंस देने से लेकर उत्पादों को मंजूरी देने तक कार्य करने के लिए संरचना और सीमाएं तय करते हैं। वे देश में ग्राहकों के हितों की भी रक्षा करते हैं।

भारत में बीमा और पुनर्बीमा कंपनियों और मध्यस्थों को भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। भारतीय बीमा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कानून बीमा अधिनियम, 1938 है। इसके अलावा, एक भारतीय या विदेशी बीमा या पुनर्बीमा कंपनी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में उपस्थिति स्थापित कर सकती है। बीमा या पुनर्बीमा व्यवसाय चलाने के लिए आईएफएससी बीमा कार्यालय (आईआईओ) के रूप में पंजीकरण प्राप्त कर सकती है। ये अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण द्वारा जारी विभिन्न नियमों और दिशा-निर्देशों द्वारा शासित होते हैं। भारत सरकार ने 19 जनवरी, 1956 को एक अध्यादेश जारी कर जीवन बीमा क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसी वर्ष जीवन बीमा निगम अस्तित्व में आया। जीवन बीमा (एलआईसी) ने 154 भारतीय, 16 गैर-भारतीय बीमाकर्ताओं और 75 प्रोविडेंट सोसायटी को समाहित कर लिया। बीमा अधिनियम, 1938 बीमा व्यवसाय पर सख्त राज्य नियंत्रण प्रदान करने वाला सभी प्रकार के बीमा को नियंत्रित करने वाला पहला कानून था।

भारतीय संसद ने 1 जनवरी, 1973 से सामान्य बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण करते हुए सामान्य बीमा व्यवसाय (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 अधिनियमित किया। 107 बीमाकर्ताओं को मिला दिया गया और चार कंपनियों में समूहित किया गया, अर्थात् नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड। 90 के दशक के अंत तक एलआईसी का एकाधिकार था। अब बीमा क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए फिर से खोल दिया गया था। इससे पहले, उद्योग में केवल दो राज्य बीमाकर्ता शामिल थे। अर्थात् जीवन बीमा (भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और सामान्य बीमाकर्ता (जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया, जीआईसी)। जीआईसी की चार सहायक कंपनियां थीं और दिसंबर 2000 से प्रभावी थीं। सहायक कंपनियों को मूल कंपनी से अलग कर दिया गया और उन्हें स्वतंत्र बीमा कंपनियों ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के रूप में स्थापित किया गया।

बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियों को अनुमति देने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देकर बीमा क्षेत्र कई चरणों से गुजरा है। भारत सरकार ने सन् 2000 में एफडीआई की सीमा 26 प्रतिषत निर्धारित करते हुए बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियों को अनुमति दी। सितंबर 2011 के अंत में सरकार ने बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 49 प्रतिशत कर दी। इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निजी कंपनियों के साथ, इस स्थिति में बदलाव की उम्मीद है। बीमा को भारत के संविधान में सातवीं अनुसूची (संघ सूची) में सूचीबद्ध किया गया है। भारतीय बीमा कानून मुख्यतः अंग्रेजी बीमा कानून का अनुसरण करता है। हालांकि अदालतों ने स्पष्ट रूप से अंग्रेजी कानून के प्रावधानों का हवाला नहीं दिया है। लेकिन उनके सामने मामलों का फैसला करने के लिए अनिवार्य रूप से अंग्रेजी केस कानून और ग्रंथों पर भरोसा करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार संकेत दिया है कि भारतीय बीमा कानून की जड़ें अंग्रेजी कानून में निहित हैं।

भारत में न्यायपालिका बीमा कानून के क्षेत्र में बीमा संबंधित कानूनों और विनियमों की व्याख्या और लागू करने, बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों के बीच विवादों को सुलझाने और बीमा मामलों पर कानूनी स्पष्टता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यायपालिका बीमा अधिनियम, 1938 और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा जारी नियमों और निर्देशों सहित विभिन्न बीमा कानूनों और विनियमों के प्रावधानों की व्याख्या और स्पष्टीकरण करती है। अदालतें उस कानूनी ढांचे को स्थापित करने में मदद करती हैं जिसके तहत बीमा कंपनियां काम करती हैं।

अदालतें पॉलिसीधारकों और बीमा कंपनियों के बीच बीमा अनुबंधों (बीमा पॉलिसियों) से उत्पन्न होने वाले विवादों को संभालती हैं। इन विवादों में दावे की अस्वीकृति, दावे के निपटान में देरी, पॉलिसी के नियमों और शर्तों पर विवाद और प्रीमियम भुगतान से संबंधित मुद्दे शामिल हो सकते हैं। न्यायपालिका बीमा कंपनियों को पॉलिसी में निर्धारित अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए बाध्य करके बीमा अनुबंधों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है। इसमें पॉलिसीधारक के भुगतान के लिए पात्र होने पर समय पर दावा निपटान सुनिश्चित करना शामिल है। अदालतें बीमा कंपनियों को नियामक आवश्यकताओं, जैसे कि आईआरडीएआई द्वारा लगाई गई आवश्यकताओं का अनुपालन न करने के लिए जिम्मेदार ठहरा सकती है। अनुपालन न करने पर कानूनी दंड और प्रवर्तन कार्रवाई हो सकती है।

न्यायपालिका बीमा धोखाधड़ी से जुड़े मामलों को संभालती भी है, जिसमें पॉलिसीधारकों द्वारा धोखाधड़ी वाले दावे और गलत बयानी शामिल है। बीमा धोखाधड़ी के दोषी पाए गए व्यक्तियों पर कानूनी दंड लगाया जा सकता है। विवाद उत्पन्न होने पर अदालतें नीति के नियमों और शर्तों की व्याख्या पर स्पष्टता प्रदान करती है। वे पार्टियों के इरादे और विशिष्ट प्रावधानों को कैसे लागू किया जाना चाहिए। यह निर्धारित करने के लिए बीमा पॉलिसियों की भाषा की जांच करते हैं। न्यायपालिका यह सुनिश्चित करती है कि बीमा कंपनियां सार्वजनिक हित में कार्य करें और निष्पक्ष और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं का पालन करें। अदालतें उन बीमा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती हैं जो अनुचित व्यवहार करती हैं या पॉलिसीधारकों को नुकसान पहुंचाती हैं।

(शेष अगले कॉलम में)

जयंती पर विशेष

ललित गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

गज़लों के महासूर्य बन चमक रहे हैं दुष्यन्त

दुष्यंत कुमार ऐसे ग़ज़लकार एवं फनकार हैं जो निराशा में आशा, अंधेरों में उजाले एवं मुर्दों में जान भर देते हैं। हिंदी कविता और हिन्दी गजल के क्षेत्र में जो लोकप्रियता उनको मिली, वैसी लोकप्रियता सदियों में किसी कवि एवं शायर को नसीब होती है। दुष्यंत एक कालजयी कवि हैं और ऐसे कवि समय काल में परिवर्तन हो जाने के बाद भी प्रासंगिक रहते हैं। उनके लिखे स्वर सड़क से संसद तक गूंजते रहे हैं। इस सृजनधर्मी बहुआयामी लेखक एवं कवि ने कविता, गीत, गजल, काव्य, नाटक, कथा आदि सभी विधाओं में लेखन किया लेकिन गज़लों के वे महासूर्य बन चमके। वे हिंदी गजल के लिए विख्यात है किंतु उन्हें यह ख्याति हिंदी गजलों के लिए नहीं, हिंदुस्तानी गजलों के लिए मिली। वे क्रांतिकारी विचारों वाले शायर हैं, उनकी शायरी को सामाजिक धारणाओं, आदर्श-व्यवस्थाओं एवं मजबूत राष्ट्रीय सोच का सूत्रपात कहा जा सकता है। जो सोयी शक्तियों को जगाता है, जो समय के साथ चलने की समाज एवं व्यक्ति को सूझ देता है। उन्होंने राष्ट्रीय-भावना, कुछ अनूठा करने के जज्बे को जीवंतता देते हुए समाज में क्रांति घटित करने का प्रयत्न किया।

जब भी बात ग़ज़लों की होती है तो उर्दू जुबान ही याद आती है लेकिन दुष्यंत कुमार एक ऐसा चमकता-दमकता नाम हैं जिन्होंने हिन्दी में ग़ज़लें लिखीं और उन्हें मुकाम तक भी पहुंचाया, उनकी ग़ज़लों में आम जनमानस का दर्द नज़र आता है। शायद दुष्यंत कुमार अकेले ऐसे शायर हैं, जिनके शेर सबसे ज्यादा बार सार्वजनिक मंचों ही नहीं, संसद में पढ़े गए हैं। सभाओं में नेताओं से लेकर वक्ताओं ने उनके शेर सुनाकर व्यवस्था पर चोट की हैं एवं सरकार को जगाने और जनचेतना का कार्य किया है। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में ही हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। हममें से कितने ही लोग अपनी ज़िंदगी में इन कालजयी पंक्तियां का इस्तेमाल करते रहे हैं। उनके कई शेर हैं जो व्यक्ति में ही नहीं बल्कि पूरे समाज में क्रांति की अलख जगा देने की ताकत रखते हैं। उनकी कई रचनाओं को स्कूल के साथ ही बी.ए. और एम.ए. के पाठ्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता हैं। वहीं बहुत से शोधार्थियों ने उनके साहित्य पर पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है।

दुष्यंत कुमार का जन्म 01 सितंबर 1933 को उत्तर-प्रदेश के बिजनौर जिले के राजपुर नवादा गांव में हुआ था। उनका मूल नाम दुष्यंत कुमार त्यागी था लेकिन वह साहित्य जगत में दुष्यंत कुमार के नाम से जाने गए। उनके पिता का नाम श्री भगवत सहाय और माता का नाम श्रीमती राम किशोरी था। दुष्यंत का अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान ही राजेश्वरीजी से विवाह हुआ था। इसके बाद दोनों ने प्रयाग विश्वविद्यालय से हिंदी, दर्शनशास्त्र व इतिहास विषय में विवाहोपरांत साथ मिलकर बी.ए की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय से ही द्वितीय श्रेणी में एम.ए की परीक्षा पास की। यहीं से उनके साहित्यिक जीवन का आरंभ हुआ और उनके लेखन को एक नया आयाम मिला। अपने दांपत्य जीवन में उन्होंने तीन संतानों को जन्म दिया। उनके दो पुत्र और एक पुत्री थी।

अपने अध्ययन के दौरान दुष्यंत कुमार साहित्यिक संस्था 'परिमल' की गोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे और 'नए पत्ते' जैसे महत्वपूर्ण पत्र से भी जुड़े रहे। इस समय उन्हें मार्गदर्शक के रूप में डॉ.रामकुमार वर्मा, डॉ. धीरेंद्र कुमार शास्त्री व डॉ. रसाल मिले तो सहपाठी के रूप में कमलेश्वर, मार्केंडय और रवींद्रनाथ त्यागी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। लेकिन जिंदगी का काफी हिस्सा मध्य प्रदेश में बीता। मध्य प्रदेश सरकार उनके नाम पर दुष्यंत कुमार पुरस्कार भी देती चली आ रही है। दुष्यंत आपातकाल के दौर में अपनी बागी रचनाओं के लिए भी चर्चित हुए थे। दुष्यंत कुमार ने केवल 42 वर्ष का जीवन पाया था लेकिन उन्होंने जिस भी विधा में साहित्य का सृजन किया वह कालजयी हो गई। उनकी रचनाएं सार्वदैशिक, सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक हैं, जो आधुनिक हिंदी साहित्य में आज भी 'मील का पत्थर' मानी जाती हैं। हिंदी अल्फाज़ की ऐसी रवानी, ऐसी ताजगी, ऐसी ऊर्जा और किसी शायर में मुश्किल से ही देखने को मिलती है। दुष्यंत की गजलों एवं शायरी में हिंदी-उर्दू अल्फाज़ का प्रयोग एक नई ताज़गी के साथ ज़ाहिर हुआ है और यह दुष्यंत की बड़ी खूबी मानी जा सकती है। दुष्यंत ने इंसानी कशमकश, जज़्बात, उदासी, महरूमी को भी बहुत फनकारी के साथ बयान किया गया है, जो उन्हें एक न भूलने वाला शायर बनाता है। इसके अलावा ज़बान की सादगी और ज़बान का हिंदुस्तानीपन दुष्यंत को अपने ढंग के सबसे अनोखे और अलबेले शायर के रूप में भी स्थापित करता है।

दुष्यंत नई ग़ज़ल के माध्यम से सच बोलने एवं सच रचने का साहस किया एवं अनोखे शायर कहलाये। जिनकी शायरी तब तक ज़िंदा रहेगी जब तक गरीबों, लाचारों और बेबसों के लिए कोई न कोई आवाज़ उठती रहेगी। दुष्यंत के बारे में अच्छी और बुरी बातें हर नए दौर में कही जाती रहेंगी, लेकिन दुष्यंत ही अकेले ऐसे शायर हैं जिन्होंने उम्र भर सियासत को मुंह चढ़ाया, मगर कमाल यह है कि दुष्यंत के बाद सियासतदानों ने संसद में या संसद के बाहर, विधानसभाओं में या विधानसभाओं के बाहर अपनी बात को मनवाने और अपनी बात में ज़्यादा वजन पैदा करने के लिए दुष्यंत को ही बार-बार कोट किया है, उनकी ही गजलों एवं शायरी का सहारा लिया है। दुष्यंत का आदर्श कोरा दिखावा न होकर संकल्प की उच्चता एवं पुरुषार्थ की प्रबलता है। व्यक्ति एवं समाज क्रांति के रूप में विकृत सोच एवं आधे-अधूरे संकल्पों को बदलने के लिये दुष्यन्त ने जिजीविषा एवं रचनात्मकता के उपाय निर्दिष्ट किये हैं।

दुष्यंत कुमार की संपूर्ण साहित्यिक रचनाओं एवं रचना संसार में अनेक कृतियां हैं। उनके गजल-संग्रह में साये में धूप है तो उपन्यासों में शामिल है छोटे-छोटे सवाल, आँगन में एक वृक्ष, दुहरी ज़िंदगी। उनके काव्य-संग्रह में सूर्य का स्वागत, आवाज़ों के घेरे, जलते हुए वन का वसंत हैं। गीति नाट्य है एक कंठ विषपायी। प्रमुख नाटक है और मसीहा मर गया। कहानी-संग्रह है मन के कोण। हिंदी गजल विधा के पुरोधा दुष्यंत कुमार के सम्मान में भारतीय डाक विभाग ने एक डाक टिकट जारी किया था। इसके साथ ही 'दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय' में उनकी धरोहरों को संभालने का प्रयास किया गया है। दुष्यंत कुमार की कविता 'हो गई है पीर पर्वत सी, अब पिघलनी चाहिए' के कुछ अंशों का इस्तेमाल 2017 की लोकप्रिय फ़िल्म इरादा में किये गये हैं एवं भारत में हर भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान अक्सर इसका उपयोग होता रहा है। दुष्यंत मायूसी के काले बादलों को तार-तार करने की ताक़त रखते हैं और दूसरों को भी ऐसा करने पर उकसाते हैं।

दुष्यन्त हिंदी साहित्य के आकाश में सूर्य की तरह चमकते हैं और चमकते रहेंगे। आम से दिखने वाले दुष्यंत को इतनी शोहरत इसलिये मिली कि उन्होंने कभी भी शायरी अपने लिए नहीं की बल्कि जब भी कलम उठायी, अपने लोगों, अपने समाज एवं अपने राष्ट्र के लिए उठायी। जब भी दुख ज़ाहिर किया उन लोगों का किया जिनका दुख दुनिया के लिए कोई मायने नहीं रखता था। ऐसे लोग जो अपने दुख अपने सीनों में लिए जीते रहते हैं और ऐसे ही मर जाते हैं, उन लोगों के दर्द को आवाज देने वाला दुष्यन्त महान् रचनाकार है। उनकी शख्सियत अब इतनी बड़ी हो गई हैं कि किताबों की क़ैद से बाहर निकल कर जन-जन की आवाज बन गयी हैं और इतने तेज़ रफ्तार भी हो गई हैं कि सरहदों को मुंह चिढ़ाते हुए शायरी समझने वाले देश एवं दुनिया के लोगों के दिलों में बस गयी है। दुष्यंत को सिर्फ सियासत को आइना दिखाने वाले शायर ही समझ लेना उनकी शायरी की अनदेखी करना है, जो कि हम लोग वर्षों से करते आ रहे हैं। दुष्यंत अपने हाथों में अंगारे लिए नज़र आते हैं, मगर दूसरी तरफ उनके सीने में वह महकते हुए फूल भी हैं जो जवां दिलों को महकाते हैं और प्रेम की एक अनदेखी और अनजानी फिज़ा भी क़ायम करते हैं। दुष्यंत की रूमानी शायरी में भी उनका खुरदुरापन उसी तरह मौजूद है, मगर यह खुरदुराहट दिल पर ख़राशें नहीं डालती बल्कि एक मीठे से दर्द का एहसास कराती चली जाती है।

क्रिकेट

अनुराग तागड़े

(वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक)

टेस्ट क्रिकेट और महिला क्रिकेट में बदलाव की हलचल

आईसीसी अब दुनियाभर में टी-20 के अलावा टेस्ट खेलने वाले देशों की संख्या में इजाफा करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयत्न करने जा रहा है। कई ऐसे देश है जो टी-20 बहुत अच्छी तरह से खेलते है परंतु उन्हें अभी टेस्ट मैच खेलने का अनुभव नहीं है। आईसीसी ऐसे देशों में टेस्ट मैच क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए प्रयत्न करेगा। इतना ही नहीं आईसीसी अब महिला क्रिकेट को लेकर भी बड़े बदलाव करने जा रहा है।

आईसीसी विश्व के क्रिकेट को नियंत्रित करती है और यह बात अकाट्य सत्य है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आईसीसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए भी कि आईसीसी जो पैसा बनाती है, उसमें भारत का हिस्सा काफी ज्यादा होता है। क्योंकि, भारत क्रिकेट में सिरमौर है और भारतीय क्रिकेटरों को देखने के लिए लोग उमड़ पड़ते हैं। यही कारण है कि भारतीय क्रिकेट और क्रिकेटरों को प्रायोजक भी अच्छे मिलते है और भारत में टेलीविजन राईट्स के भी अच्छे पैसे मिलते है। आईसीसी ने वैश्विक रुप से 100 से भी ज्यादा देशों में क्रिकेट का फैलाव किया है। क्रिकेट खेलने वाले देशों में अफ्रीका के कई देशों से लेकर अमेरिका,कनाड़ा,मलेशिया जैसे देश भी शामिल है।

हाल ही में अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप में आईसीसी ने जिस प्रकार की व्यवस्थाएं की थी उससे कई टीमें नाराज भी हो गई थी। खाने,रहने के अलावा ट्रांसपोर्ट की व्यवस्थाएं ठीक नहीं थी। इतना ही नहीं पिच को लेकर भी समस्याएं थी। आईसीसी को जब पता था कि अमेरिका में इस प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा तब केवल लोकप्रियता बंटोरने के लिए अमेरिका में

आयोजन किया गया। आईसीसी के भीतर में इस आयोजन को लेकर प्रश्न उठे और बाद में इस्तीफों का दौर भी चला।

जय शाह ने बीसीसीआई की कमान संभालने के बाद बीसीसीआई की आय में जोरदार वृद्धि की। उन्होंने आईपीएल के अलावा महिलाओं के डब्ल्यूपीएल को भी आगे बढाया। इसके अलावा पुरुष और महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को लेकर भी कई ठोस कदम उठाएं। हाल ही में बीसीसीआई ने बड़े सितारा खिलाड़ियों को रणजी ट्राफी सहित घरेलू टूर्नामेंट खेलना अनिवार्य कर दिया और जिन खिलाड़ियों ने बात नहीं मानी उन्हें टीम में वापसी का मौका भी नहीं दिया। बीसीसीआई ने अनुशासन को पहले तरजीह दी जिसका परिणाम यह हुआ कि अब घरेलू टूर्नामेंट में कई बड़े नामचीन खिलाड़ी भी नजर आ रहे है। अब जय शाह के आईसीसी प्रमुख होने के बाद वैश्विक रुप से कई बड़े बदलाव आने वाले है।

दुनियाभर के क्रिकेट खेलने वाले देशों में अधिकांश टी-20 ही खेलते है जबकि असलियत में सभी बड़े खिलाड़ी फिर चाहे वे भारत के हो या फिर आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के हो सभी का मानना है कि टेस्ट मैच ही सबसे अच्छा फार्मेट है जिसमें क्रिकेटर की असल परीक्षा होती है। लगातार पांच दिनों तक खेलने के बाद ही यह तय हो पाता है कि किसमें कितना धैर्य है और कौन कितनी देर तक खेल पाता है। आईसीसी अब दुनियाभर में टी-20 के अलावा टेस्ट खेलने वाले देशों की संख्या में इजाफा करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयत्न करने जा रहा है। कई ऐसे देश है जो टी-20 बहुत अच्छी तरह से खेलते है परंतु उन्हें अभी टेस्ट मैच खेलने का अनुभव नहीं है। आईसीसी ऐसे देशों में टेस्ट मैच क्रिकेट को बढावा देने के लिए प्रयत्न करेगा। इतना ही नहीं आईसीसी अब महिला क्रिकेट को लेकर भी बड़े बदलाव करने जा रहा है।

फ़िलहाल जितने भी देश महिला क्रिकेट खेलते है उन्हें वर्षभर में एक या दो सीरीज ही खेलने को मिलती है। आस्ट्रेलिया और इंग्लैड को छोड़कर क्योंकि ये आपस में भी बहुत खेलते है और अन्य देशों के साथ भी स्पर्धाएं आयोजित करते रहते है। आईसीसी अब इस बात का प्रयत्न करने जा रहा है कि सभी देशों को लगातार क्रिकेट खेलने का मौका मिल सके। इसके कारण सभी देशों में तीनों फार्मेट टी-20,वन डे और मल्टी डे मैच हो ताकि महिला खिलाड़ियों की संख्या में भी बढौत्तरी हो। निश्चित रुप से जय शाह का कार्यकाल दुनियाभर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए ज्यादा क्रिकेट और ज्यादा देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देगा जिससे नए खिलाड़ियों को भी मौका मिलेगा और दूसरी तरफ महिला खिलाड़ियों को भी ज्यादा क्रिकेट खेलने को मिल सकता है।

कलेक्टर ने सीएमएचओ, सिविल सर्जन को लगाई फटकार

अस्पताल के आकस्मिक निरीक्षण पर अव्यवस्थाओं पर भड़के

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने रविवार दोपहर को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अव्यवस्था पाई गई, तो अव्यवस्था देख कलेक्टर ने सीएमएचओ और सिविल सर्जन को जमकर फटकार लगाई और कहा कि आपकी आदत में सुधार लाओ, आपकी लापरवाही के कारण अस्पताल में व्यवस्था नहीं सुधर पा रही हैं। अधिकारियों को अव्यवस्था सुधारने का अल्टीमेटम भी दिया है अन्यथा उनके ऊपर भी अब एक्शन लेने की बात कही है। कलेक्टर ने इसके पहले अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए थे, लेकिन व्यवस्था जस की तस नजर आई, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई है। कलेक्टर और एसपी ने रविवार दोपहर लगभग 1 बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर-एसपी को अचानक देख अस्पताल के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सबसे पहले कलेक्टर ने ग्राउंड फ्लोर के वार्ड और ओपीडी का निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान अटेंडर के साथ एक से अधिक लोग मौजूद मिले, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। खुद कलेक्टर ने सभी वार्डों का निरीक्षण कर मरीज के साथ आए अटेंडर से मरीज के संबंध में जानकारी लीं। इस दौरान एक से अधिक अटेंडर मरीज के साथ पाए गए। कलेक्टर ने खुद लोगों को अस्पताल से बाहर निकाला और कहा कि मरीज के साथ केवल एक अटेंडर ही मौजूद रहेगा। एक से ज्यादा अटेंडर को मरीज के साथ नहीं रहना हैं। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक वार्ड में एक मरीज के साथ कई अटेंडर मिले, इस पर अधिकारियों को भी फटकार लगाई और कहा कि इसके पहले भी उन्होंने निर्देश दिए थे, इसका पालन नहीं किया गया। कलेक्टर ने केवल एक ही अटेंडर को मरीज के साथ रहने के निर्देश दिए। जो मरीज के साथ एक से ज्यादा अटेंडर आए थे, ऐसे लगभग एक हजार लोगों को एक-एक करके अस्पताल से बाहर किया।

अस्पताल के सामने वाले मार्ग से हटेगा अतिक्रमण

अस्पताल के मु य गेट के पास और आस-पास में कई लोगों ने गुमटियां लगा ली थी। कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए है। नपा सीएमओ से कहा कि नेहरू पार्क चौक से लेकर पेट्रोल पंप तक सड़क किनारे लगी गुमटियों को तत्काल हटाने की कार्रवाई करें। इसके पहले भी कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन दोबारा अतिक्रमण हो गया। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और राजस्व निरीक्षक ब्रजगोपाल परते को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि दोबारा अतिक्रमण हो रहा है, आपका अमला क्या कर रहा है? यहां से तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। कलेक्टर के निर्देश के बाद नगरपालिका ने अनाउंस शुरु कर दिया कि अपनी स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा स ती से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों से बोले-तुम्हारी लापरवाही के कारण नहीं सुधर रही व्यवस्था: अस्पताल की अव्यवस्था देख कलेक्टर ने नाराजगी जताई। अधिकारियों से कहा कि आपकी लापरवाही का नतीजा यह है कि व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है। मैने इसके पहले भी व्यवस्था सुधारने के लिए कहा था, लेकिन आपने कोई एक्शन नहीं लिया। आप व्यवस्था बनाने के लिए गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहें। ऐसे में अस्पताल के स्टाफ के साथ कोई घटना होती है तो इसका जवाबदार कौन होगा? निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को सिविल सर्जन अस्पताल में नहीं मिले, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें समय पर अस्पताल में मौजूद रहने की नसीहत दी। कलेक्टर ने सीएमएचओ और सिविल सर्जन से कहा कि कोई जिला अस्पताल में घटना होती है, तो इसकी जवाबदारी आपकी होगी। आप अस्पताल की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सफाई ठेकेदार को फोन घुमाते रहे अधिकारी: कलेक्टर-एसपी को अस्पताल में निरीक्षण के दौरान कई जगह गंदगी मिली। जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और सफाई ठेकेदार को तत्काल बुलाने के लिए कहा। अधिकारी सफाई ठेकेदार को फोन घनघनाते रहे, लेकिन ठेकेदार मौके पर नहीं पहुंचा। अधिकारी मुंह ताकते हुए रह गए। कलेक्टर ने कहा कि मुझे अस्पताल में पर्याप्त साफ-सफाई व्यवस्था मिलनी चाहिए। अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था बहुत खराब है। अस्पताल के कुछ वार्डों के शौचालयों से बदबू आ रही थीं, जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था अच्छे से करें।

पार्किंग व्यवस्था सुधारने के निर्देश: कलेक्टर ने पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान जगह-जगह बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े मिलें। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में आने वाले स्टाफ के वाहन पर पार्किंग का एक स्टीकर बनाकर चस्पा करें, ताकि स्टाफ के वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था अलग बनाई जाएं। मरीजों के साथ आने वाले लोगों के वाहनों को अस्पताल के मु य गेट के पास स्थित पार्किंग स्थल में वाहन को खड़ा करवाया जाएं। स्टाफ के अलावा किसी भी वाहन को अस्पताल के भीतर तक प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए है।

एसपी ने दिए सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश: जिला अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी निश्चल झारिया ने निर्देश दिए है। एसपी ने कहा कि वार्डों में सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था करें। जिस व्यक्ति के पास एंट्री पास है, उन्हीं को अस्तपाल के भीतर जाने दिया जाएं। किसी संदिग्ध व्यक्ति की मौजूदगी होने की स्थिति में तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। सुरक्षा की दृष्टि से अस्पताल के भीतर और परिसर में पर्याप्त सं या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के निर्देश दिए है, ताकि हर हरकत पर नजर रखी जाएं। अधिकारियों से सीसीटीवी कैमरे के संबंध में भी जानकारी ली।

मंदिर से मूर्ति चुराने वाले शख्स को ग्रामीणों ने दी अनोखी सजा

बैतूल। गोराखार गाँव मे एक शख्स की गलती पर उसे ग्रामीणों ने सजा भी जरा हटकर दी। दरअसल गाँव में नागदेवता का एक मन्दिर है जिसमे नागदेवता की पत्थर से बनी एक प्राचीन प्रतिमा स्थापित है। शुक्रवार की रात पड़ोसी गाँव के एक शख्स कमलेश धोटे ने आकर नागदेवता की प्रतिमा को तोड़ दिया और अपने साथ ले गया। जब लोगों ने कमलेश से इसकी वजह पूछी तो उसने जवाब दिया कि वो नागदेवता की प्रतिमा अपने गाँव मे स्थापित करेगा। लेकिन कमलेश नाग देवता की प्रतिमा को गाँव ना ले जाकर रास्ते के किनारे छोड़कर चला गया। सुबह जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे नाग देवता की प्रतिमा रखी देखी तो आक्रोशित हो गए और पुलिस को बुलाया गया। बैतूल बाजार थाना पुलिस ने सबसे पहले प्रतिमा तोड़ कर ले जाने वाले कमलेश को हिरासत में लिया और ग्रामीणों से शिकायत पत्र मांगा। हालांकि ग्रामीणों ने कमलेश को पुलिस के हवाले करने की बजाय पश्चाताप करने का एक मौका दिया ।ग्रामीणों ने कमलेश के सामने शर्त रखी कि अगर वो नाग देवता की प्रतिमा को अपने कंधे पर रखकर वापस मन्दिर तक पहुंचाए और रविवार के दिन अपने खर्च पर नागदेवता को दोबारा प्राण प्रतिष्ठा करवाएगा तो उसे पुलिस के हवाले नही। करेंगे। कमलेश ने ग्रामीणों की बात मानी और प्रतिमा को कंधे पर रखकर वापस मन्दिर तक पहुंचाया। वहीं अब वो प्रतिमा की दोबारा प्राण प्रतिष्ठा करवाएगा। कमलेश के इस प्रायश्चित के संकल्प के बाद पुलिस ने अब तक उसके खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया है लेकिन ग्रामीणों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी तरह कानून अपने हाथ मर नहीं लेना है और किसी भी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए इस बात का ख्याल रहे। आम तौर पर इस तरह के मामलो में हिंसा और तनाव देखने मिलता है लेकिन आपसी समझ और दोषी के सरेंडर करने से ये मामला प्रेम से सुलझ गया। इस पूरे मामले में बैतूल बाजार थाना टी आई नीरज पाल ने बताया की गोराखार के खेत में बने नागदेव मंदिर से एक व्यक्ति ने नागदेव की मूर्ति उठाकर ले गया था ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी मूर्ति चुराने वाले को ग्रामीणों ने दोबारा से मंदिर में मूर्ति की स्थापना करने को कहा है।

राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने प्रारंभ किया गो सेवा अभियान

नगर में घूम रहे गोवंश को बांधे रेडिएम

बैतूल। गोवंश को रेडिएम से बने हुए बेल्ट बाँधने से गोवंश एवं आम जनों की दुर्घटना में आएँगी कमी रात्रि 10 बजें के बाद रोज चलाया जाएगा अभियान पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल जी झारियाँ ने की अभियान कीं सराहना कहाँ पुलिस विभाग सहयोग प्रदान करेगा अभियान के दौरान 500 नग रेडिएम से बने हुए बेल्ट बाँधने का लक्ष्य तहसील युवा अध्यक्ष राहुल खवादे ने बताया कि- राष्ट्रीय हिन्दू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने गौ सेवा अभियान की अपील समस्त हिन्दू समाज एवं संगठन के जुड़े युवाओं से की थी गो सेवा अभियान को संगठन के पदाधिकारियों ने कल रात्रि से प्रारंभ करते हुए बैतूल नगर के बडोरा क्षेत्र से लेकर इटारसी रोड़ बसंत पेट्रोल पंप तक यह अभियान रात्रि 12 बजें तक चलाया गया है प्रदेश संयोजक पवन मालवीय ने बताया कि- गोवंश बड़ी संख्या में नगर के चौक चौराहों पर विश्राम करते दिखाई देती हैं रात्रि में रोजाना कई क्षेत्रों में आवाजाही करने वाले वाहनों से गोवंश भी बुरी तरह घायल हो जाते हैं और दुर्घटना में आम जन भी दुर्घटना में घायल हो जाते है इन सभी को सुरक्षित करने के उद्देश्य से संगठन ने यह अभियान प्रारंभ किया है तहसील गौरक्षा प्रमुख आशीष यादव ने बताया कि- गोवंश की रक्षा हो और सेवा हो के संकल्प को पूरा करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने रात्रि 100 से अधिक गोवंश को चमकीले लाल रंग के रेडिएम से बने हुए बेल्ट गोवंश के गले में बाँधे है इन बेल्टों को बाँधने के बाद वाहन चालकों को दुर से ही वाहनों की रोशनी से गोवंश बेठे दिखाई देंगे जिससे गोवंश एवं आम जनों की दुर्घटना में कमी आएँगी उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय,प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, जिला अध्यक्ष अनुज राठोर, जिला युवा संयोजक नवीन पटेल, तहसील युवा अध्यक्ष राहुल खवादे,नगर अध्यक्ष शनि साहू,नगर युवा संयोजक रोहित मालवीय,नगर सह संयोजक प्रवीण साहू, नगर महामंत्री बिटू गोयल,प्रखंड मंत्री अरविंद मासोदकर,प्रखंड अध्यक्ष सौमेश सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चिलमटेकरी गांव में जल संकट गंभीर, हैंडपंप की मांग पर ग्रामीणों का आवेदन

बैतूल/भौरा। ब्लाक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पहावाड़ी के चिलमटेकरी गांव में पानी की गंभीर समस्या ने गांववासियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। जल संकट की स्थिति इतनी विकट हो गई है कि ग्रामवासियों को पीने के लिए पानी जुटाना भी मुश्किल हो गया है। इसी समस्या के समाधान हेतु चिलम टेकरी गांव के निवासी विधायक गंगा सज्जनसिंह उइके से ग्राम में हैंडपंप लगवाने की अपील कर रहे हैं। गांववासियों ने एक सामूहिक आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि गांव में हैंडपंप की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें पीने के पानी से लेकर पशुओं को पानी पिलाने तक की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम की अरुण धुर्वे का कहना है कि चिलम टेकरी ग्राम मैं 20 से 25 परिवार निवास करते हैं। जिनके घर काफी दूरी दूरी पर बसे हैं। ग्राम में सिर्फ एक हैंडपंप है। जिस पर पूरा गांव निर्भर है बाकी कुछ लोग प्राथमिक शाला स्कूल के हैंडपंप से मजबूरी में पानी भरना पड़ता है अगर स्कूल वाले हमें पानी नहीं भरने देंगे तो हम कहां से पानी भरकर लाएंगे।इस ग्राम में पानी का कोई अन्य साधन नहीं है। जिसके कारण महिलाओं को दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना पड़ता है। ग्राम के सरपंच जीवनलाल मवासे ,देवकी, राजकुमारी, अनिता सहित अन्य ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है कि जल्द से जल्द उनके गांव में एक

हैंडपंप की व्यवस्था की जाए, ताकि पानी की समस्या का निराकरण हो सके। ग्रामीणों ने इस बात पर भी जोर दिया है कि गर्मियों के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे उन्हें अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।गांववासियों ने विधायक से निवेदन किया है कि वह इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए गांव में जल्द से जल्द हैंडपंप की स्थापना कराएं। इस आवेदन पर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से हस्ताक्षर कर उम्मीद जताई है कि उनकी समस्या का जल्द समाधान होगा। इस जल संकट से जूझ रहे चिलमटेकरी गांव के निवासी अब प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर देख रहे हैं, ताकि उनके गांव में पानी की समस्या का स्थायी समाधान मिल सके।

गांधी वार्ड उपचुनाव मनोज को कांग्रेस का बी फार्म, सोनू नहीं हटे मैदान से

आठनेर के 10 नंबर वार्ड में भी त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

बैतूल। 11 सितम्बर को होने जा रहे गांधीवार्ड के पार्षद पद के उप चुनाव में अब स्थिति पूरी तरह साफ हो गई है। कांग्रेस ने मनोज शर्मा को अपना अधिकृत उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसके बाद भाजपा के वरुण धोटे और कांग्रेस के मनोज शर्मा के बीच मुख्य मुकाबला देखने को मिलेगा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बताया कि मनोज शर्मा का बी फार्म निर्वाचन कार्यालय में जमा कर दिया गया है। गांधी वार्ड से सोनू धुर्वे सहित कांग्रेस के मनोज शर्मा, वरुण धोटे के बीच सीधी टक्कर होगी। इधर आठनेर नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 में भी चुनावी परिदृश्य साफ हो चुका है। भाजपा प्रत्याशी मनोज तुमाने और कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी किरण सावरकर के अलावा स्वतंत्र किसान पार्टी से कमलाकर तायवाड़े चुनावी मैदान में है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बताया कि प्रत्याशी

रूपेश डोंगरे एवं संजय सावरकर ने कांग्रेस प्रत्याशी किरण सावरकर के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया है। आठनेर के वार्ड नम्बर 10 में भी गांधी वार्ड की तरह तीन उम्मीदवारों के बीच अब सीधा मुकाबला होगा।

कलेक्टर के आदेश के बाद भीमपुर के स्वास्थ्य केंद्रों में लौटेंगे एएनएम कर्मचारी

बैतूल। जयस प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे द्वारा भीमपुर विकासखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठाए गए मुद्दों पर कलेक्टर ने त्वरित कार्रवाई की है। कलेक्टर के आदेश पर सभी अटैचमेंट निरस्त हो गए हैं। भीमपुर के उपस्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत सभी एएनएम कर्मचारियों को, जिन्हें अन्य विकास खंडों में अटैच किया गया था, अब उनके मूल पदस्थापना स्थलों पर वापस भेजा जा रहा है। इस निर्णय से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे आदिवासी बाहुल्य इस क्षेत्र के लोगों को जल्द ही राहत मिलेगी। जयस प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे ने विगत 23 अगस्त कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में स्पष्ट किया था कि भीमपुर विकासखंड, जो कि पहले से ही एक हाई रिस्क क्षेत्र है, वहां एएनएम की अनुपस्थिति ने स्वास्थ्य सेवाओं को और भी कमजोर कर दिया है। उन्होंने कलेक्टर से निवेदन किया था कि इन सभी एएनएम कर्मचारियों के अटैचमेंट को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर उन्हें भीमपुर के उपस्वास्थ्य केंद्रों पर बहाल किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार मिल सके। कलेक्टर ने गंभीरता से इस मामले में संज्ञान लिया और अटैचमेंट निरस्त कर दिए गए। गौरतलब है भीमपुर, एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद, आज स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में संकट का सामना कर रहा है। विकासखंड भीमपुर के उपस्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम की अनुपस्थिति ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसूति महिलाओं, मलेरिया, डेंगू, और सामान्य बुखार जैसी बीमारियों से जूझ रही जनता की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। भीमपुर के ग्राम टेरम में हाल ही में तीन लोगों की बीमारी से मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। यह क्षेत्र हाई रिस्क जोन में आता है, जहां पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं की भारी कमी है। जयस प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे ने इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें उन्होंने एएनएम कर्मचारियों के अटैचमेंट को तत्काल निरस्त कर उनके मूल पदस्थापना स्थानों पर वापस भेजने की मांग की थी। आरटीआई के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, भीमपुर के स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ सभी 9 एएनएम का अटैचमेंट अन्यत्र स्थानों पर किया गया था, जबकि उनका वेतन भीमपुर के उपस्वास्थ्य केंद्रों से ही जारी किया जा रहा है। इस कारण से उपस्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम की अनुपस्थिति ने क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया है।

इस छोटे से गांव में मिल गया कैंसर का इलाज

देश-विदेश से लोग करवाने पहुंच रहे इलाज, निसंतान को भी हो जाती है संतान

बैतूल। घोड़ाडोंगरी के छोटे से गांव कान्हावाड़ी में कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का जड़ी बूटियों से मुफ्त में इलाज किया जाता है। यहां देश-विदेश से लोग इलाज कराने आते हैं। इन जड़ी-बूटियों से कई निसंतान दंपत्तियों को संतान हुई है। घोड़ाडोंगरी तहसील के एक छोटे से गांव कान्हावाड़ी में कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का इलाज निःशुल्क होता है। इतना ही नहीं यहां आने वाले निसंतान दंपत्तियों को संतान की प्राप्ति भी हो जाती है. कान्हावाड़ी में इलाज करवाने देश भर के लोगों के साथ ही विदेश तक के लोग भी आते हैं। बता दें कि कान्हावाड़ी के कई वर्षों से बाबूलाल भगत सतपुड़ा की वादियों में मिलने वाली जड़ी बूटियां से लोगों का निशुल्क उपचार कर रहे हैं. यहां मिलने वाली जड़ी बूटियों से कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों का इलाज किया जाता है।। बाबूलाल भगत सप्ताह में 2 दिन रविवार और मंगलवार को दवाइयां देते हैं।

सांप भी प्रकृति का अहम हिस्सा

बच्चों ने बनाई पत्थर पर विशालकाय सांप की पेंटिंग

बैतूल। सांप शिकारियों, पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मनुष्यों को आर्थिक और चिकित्सीय लाभ प्रदान करते हैं। सांप कई दवाओं का स्रोत भी हैं। सांप के काटने के लिए एकमात्र सिद्ध और प्रभावी उपचार सांप-विरोधी विष, भी सांप के जहर से हासिल होता है। सांप का जहर घोड़ों और भेड़ों में इंजेक्ट किया जाता है। वन्य प्राणी संरक्षण की दृष्टि से युवा चित्रकार श्रेणिक जैन के मार्गदर्शन में आरडी पब्लिक स्कूल की कला शिक्षिका उमा सोनी, पायल सोलंकी, तिरुपति राव, टीना वर्मा व चेताली अम्बुलकर ने मिलकर जठानदेव में एक चट्टान पर

विशालकाय विषधर का चित्र उकेरा जो गुफा से निकलता हुआ प्रतीत हो रहा है। शिक्षिका उमा सोनी ने बताया कि सर्प भी हमारे पर्यावरण और प्रकृति के संतुलन के लिए अति आवश्यक है। अगर कभी शहरी क्षेत्र में या घरों में निकल जाए तो उन्हें मारने की अपेक्षा सर्प मित्र को बुलाकर वनों में छुड़वा दे। चित्रकार श्रेणिक जैन ने बताया कि हम इस तरह की गतिविधियां समय समय पर करते रहते हैं जिससे वन्य प्राणी संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैले। जो भी इस कलाकृति को देख रहा है भौचक्का होकर दांतों तले उंगली दबा ले रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/ लो.नि.शा./ई./5374 बैतूल दिनांक 27/08/2024

//ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना//

(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य/ सामग्री का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2024_UAD_366007_1	CONSTRUCTION OF BOUNDARY WALL GOVT. GARDEN AT COMPANY GARDEN AT MUNICIPAL AREA BETUL	1-70 Days 2-2125744/-	1-5000/- 2-15900/-	27/09/2024

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

पू.क्र./ लो.नि.शा./ई./5374

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

सांस्कृतिक परस्परता का नया अध्याय

विनय उपाध्याय

(लेखक टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक हैं)

आँखों भर आकाश, बाहों भर संसार : 'विश्वरंग' मॉरीशस 2024

समय के सफ़हों पर जब तारीख़ें गहरे दस्तख़त करती हैं तो यादों के मायने कुछ अलहदा हो जाते हैं। एक ऐसा ही स्वप्न है 'विश्वरंग'। अपनी छटवीं पायदान तय करने देश मॉरीशस में इसी इरादे के साथ दस्तक दी 'विश्वरंग' ने। रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि, भोपाल की बुनियादी आकांक्षा 'विश्वरंग' के साथ उड़ान भरती अपने पड़ोसी देश पहुँची। महासागर के तट पर यह संस्कृति का नया सूर्योदय था।

सात, आठ और नौ अगस्त की दरमियानी तारीख़ों में 'विश्वरंग' अपना ताना-बाना लिए उस देश की सरहद में दाख़िल था। विश्व हिन्दी सचिवालय, महात्मा गांधी संस्थान, टैगोर संस्थान, हिन्दी प्रचारिणी सभा, हिन्दी स्पीकिंग यूनियन इस मिशन में अगुआ हुए। 'विश्वरंग' के स्वप्नदर्शी शिल्पी संतोष चौबे के नेतृत्व में एक ऐसा मानचित्र तैयार हुआ, जो अपनापे और आपसदारी के रंगों से आलोकित है। सात अगस्त... उगते सूरज की खिलती धूप विश्व हिन्दी सचिवालय के प्रांगण में विश्वरंग शोभायात्रा के तहत हाथों में रंग-बिरंगी ध्वजाएँ और तख़्तियाँ लिए भारत, मॉरीशस, अमेरिका, यू.के., कतर, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, सूरीनाम, जापान, यू.ए.ई., दक्षिणकोरिया, केन्या, जर्मनी, साइप्रस, बहरीन, इंडोनेशिया, श्रीलंका, नेपाल, मलेशिया, रूस, नाइजीरिया देशों से पधारे रचनाकारों सहित मॉरीशस के कलाप्रेमी 'विश्वरंग जिन्दाबाद' के नारे लगाते सचिवालय के प्रशस्त पंथ पर क़दम बढ़ा रहे थे।

लीलादेवी दुकन, उपप्रधानमंत्री शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, मॉरीशस का इस बीच आगमन हुआ। इस अवसर पर भारत की मॉरीशस में उच्चायुक्त नंदनी के. सिंगला, मॉरीशस, भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद के पूर्व अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे, वरिष्ठ कवि-कथाकार, विश्वरंग के निदेशक, संतोष चौबे, विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस की महासचिव माधुरी रामधारी, उप महासचिव शुभंकर मिश्र एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी केन्द्र के निदेशक जवाहर कर्नावट विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि उपप्रधानमंत्री लीलादेवी दुकन ने कहा कि विश्वरंग के माध्यम से कलाकारों को साहित्यकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। ऐसी प्रेरणा से ही नए पौधे विशाल वृक्ष बनते हैं। आतिथेय का विनम्र भाव लिए संतोष चौबे ने विश्वरंग के विस्तार की जानकारी दी। कार्यक्रम को माधुरी रामधारी, नंदिनी सिंगला, भारतीय उच्चायुक्त, मॉरीशस, भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद के पूर्व अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे, विश्वरंग के सह निदेशक सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर केन्द्रीय संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री भारत सरकार गजेंद्रसिंह शेखावत का वीडियो संदेश प्रस्तुत किया गया।

संवाद, विमर्श और हस्तक्षेप

पहले दिन के द्वितीय सत्र में 'शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, उद्यमिता, वैश्विक क्षितिज' विषय पर पदमेश गुप्त, (यू.के.) की अध्यक्षता में विचार-विमर्श हुआ। सिद्धार्थ चतुर्वेदी सहित सी.वी. रामन विश्वविद्यालय के कुलपति अरुण जोशी, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विजयसिंह, आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार पुष्पा असिवाल, नेटबुक भारत के संजीव कुमार ने उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। आरएनटीयू की प्रति उपकुलपति संगीता जौहरी और टैगोर कला केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय ने वक्ताओं का अभिनंदन किया।

चढ़ा 'होरी' का खुमार: विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस के सभागार में 'होरी हो ब्रजराज' ने समाँ बाँधा। पुरू कथक अकादेमी, भोपाल (भारत) के एक दर्जन से भी ज़्यादा कलाकारों ने कथक नृत्यांगना क्षमा मालवीय

(भोपाल, भारत) के निर्देशन में यह सुन्दर रूपक रचा।

सम्बन्धों का नया अध्याय: 'विश्वरंग' का समापन दिवस नौ अगस्त अपनी निर्धारित गतिविधियों के बीच उत्कर्ष पर पहुँचा। समापन संध्या पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण कुमार जगनाथ महात्मा गांधी संस्थान में पधारे। उन्होंने आशा प्रकट की कि मॉरीशस और भारत के बीच यह महोत्सव सांस्कृतिक तथा शैक्षिक सम्बन्धों का नया अध्याय रचेगा। उनका स्वागत करते हुए संतोष चौबे ने विश्वरंग के समापन अवसर पर कहा कि हम 'फिर मिलेंगे...' के वादे के साथ अपने-अपने देश लौट रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि विश्वरंग 2025 से शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली विभूति को 'अफ्रो-एशिया अन्तरराष्ट्रीय विश्वरंग सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। इस अवसर पर आरएनटीयू (भोपाल) तथा महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

विश्वरंग भाषा सम्मान

प्रवीण कुमार जगनाथ, प्रधानमंत्री, मॉरीशस गणराज्य एवं संतोष चौबे, निदेशक विश्वरंग ने हिन्दी के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करने वाली विभूतियों को 'विश्वरंग भाषा सम्मान 2024' से सम्मानित किया गया। इनमें साहित्यकार लालदेव अंचराज (मॉरीशस), हेमराज सुंदर (मॉरीशस), सुप्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी, बांग्ला गायिका जयति चक्रवर्ती , शिक्षाविद एवं रचनाकार पद्मेश गुप्त (यू.के.), कथाकार दिव्या माथुर (यू.के.), सुप्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञ एवं रचनाकार बालेन्दु दाधीच शर्मा शामिल थे।

विश्वरंग के अन्तर्गत जून-जुलाई माह में मॉरीशस में विभिन्न स्तरों पर विश्वरंग की 'पूर्वरंग' गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमे विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संतोष चौबे ने सम्मान राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। स्थानीय रचनाकारो का भी सम्मान किया गया।

'सुबह सवेरे' के विशेषांक का लोकार्पण- विश्वरंग के तीन दिनी उत्सव के दौरान 'विश्वरंग मॉरीशस' के अवसर पर भोपाल से प्रकाशित दैनिक 'सुबह सवेरे' के विशेषांक का लोकार्पण भी हुआ। जिसे काफी सराहा गया।

हिन्दी के पक्ष में व्यापक विमर्श

समापन दिवस विश्व हिन्दी सचिवालय में समानान्तर सत्रों के दौरान हिन्दी से सम्बद्ध विभिन्न विषयों पर खुलकर संवाद और विमर्श हुआ। 'हिन्दी फ़िल्में और विश्व हिन्दी प्रसार' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता कवि-आलोचक लीलाधर मंडलोई ने की। इस सत्र में अशोक मिश्र, युधिष्ठिर मनबोध (मॉरीशस), विजय मल्होत्रा, इंद्रजीतसिंह, रितेश महावीर (मॉरीशस) मनीष चौधरी बतौर वक्ता शामिल हुए। आकाशवाणी के उदघोषक कमल शर्मा ने इस सत्र का संचालन किया। 'विश्व हिन्दी साहित्य में नई अभिव्यक्ति' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता कवि जितेंद्र श्रीवास्तव ने की। इस सत्र में निकिता ओबिगाडू (मॉरीशस), नीलेश रघुवंशी, शुभंकर मिश्रा (मॉरीशस) रामकुमार तिवारी (भारत) ने अपने विचार व्यक्त किये। संतोष चौबे से प्रवासी रचनाकारों ने रोचक तारतम्य बनाया। सूत्रधार रहे वनमाली कथा के सम्पादक कुणालसिंह। संयोजन ज्योति रघुवंशी ने किया।

वैश्विक स्तर पर 'हिन्दी में अनुवाद सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित कवि अरुण कमल ने की। जितेंद्र श्रीवास्तव, सान-यन-उ (दक्षिण कोरिया) सफर्मोतोलिबी (रूस), रीता कुमार, तनुजा पदारथ बिहारी (मॉरीशस) ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन कुणालसिंह ने किया। एक अन्य सत्र 'विश्व में हिन्दी:माध्यम और मानकीकरण' (देवनागरी लिपि के सन्दर्भ में) विषय पर एकाग्र था। अध्यक्षता लेखक अनुवादक जानकी प्रसाद शर्मा (भारत) ने की। इस सत्र में बालेन्दु दाधीच शर्मा (भारत), वेद प्रकाशसिंह (जापान), अलका धनपत(मॉरीशस), संजीता वर्मा (नेपाल), वी. वेंकटेश्वरराव ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सत्र संचालन जवाहर कर्नावट ने किया।

'लेखक से मिलिये' में कवि बलराम गुमास्ता से कथाकार मुकेश वर्मा, सविता भार्गव र अपर्णा वत्स (आस्ट्रेलिया) ने कविता के विभिन्न पहलुओं पर वार्ता की। 'समालोचनात्मक दृष्टि और प्रवासी साहित्य' विषय पर केन्द्रित सत्र की अध्यक्षता संतोष चौबे ने की। सम्पादक-आलोचक अखिलेश प्रवासी संसार के सम्पादक राकेश पाठक लक्ष्मी झमन (मॉरीशस), सुरेश ऋतुपर्ण ने की । संचालन आलोचक अच्युतानंद मिश्र ने किया।

'कत्रिम मेधाः हिन्दी और भविष्य की चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित सत्र लेखक-पत्रकार प्रियदर्शन की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में बालेन्दु दाधीच शर्मा, वंदना मुकेश (यू.के.) राजशेखर (मॉरीशस), एवं महीप निगम (भारत) ने समकालीन परिप्रेक्ष्य में विषय की पड़ताल की। आभार सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने माना। संचालन विश्वरंग सचिवालय के सचिव, संजयसिंह राठौर ने किया। 'लेखक से मिलिए' सत्र में कथाकार अल्पना मिश्र से कथाकार आशुतोष ने बातचीत की। कवि-उपन्यासकार नीलेश रघुवंशी से कुणाल सिंह ने संवाद किया।

मॉरीशस की साहित्यिक विरासत के पुरोधा अभिमन्यु अनत की स्मृति में 'स्मरणः अभिमन्यु अनतः विश्व साहित्य चेतना के रचनाकार' विषय पर आयोजित सत्र का संचालन लीलाधर मंडलोई ने करते हुए अनत की रचना धर्मिता के विविध आयामों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ कवि जितेन्द्र श्रीवास्तव (दिल्ली) ने विषय प्रवर्तन किया। वेद प्रकाश सिंह (जापान), संयुक्ता भोवन रामसारा (मॉरीशस) और युवा आलोचक अच्युतानंद मिश्र (केरल) ने अपने विचार व्यक्त किये।।

एक अन्य समानांतर सत्र में अंतरराष्ट्रीय कविता पाठ अग्रणी कवि अरुण कमल की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में संतोष चौबे, जितेन्द्र श्रीवास्तव, बलराम गुमास्ता, नीलेश रघुवंशी, सविता भार्गव ने अपनी कविताएं पढ़ीं। संचालन जितेन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

'विश्व के देशों में हिन्दीः स्थिति और संभावनाएँ' (नई पीढ़ी के संदर्भ में) विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ रचनाकार एवं विचारक मनोज श्रीवास्तव ने की। आरती लोकेश (यू.ए.ई), कृष्णकुमार झा (मॉरीशस), वीर बहादुर महतो (नेपाल) ने विचार व्यक्त किए। जवाहर कर्नावट ने सत्र संचालन किया। 'हिन्दी में विज्ञान लेखन-चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित सत्र में वरिष्ठ विज्ञान लेखक देवेन्द्र मेवाड़ी, युवा वैज्ञानिक एवं रचनाकार मनीष मोहन गोरे, 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' के सह संपादक एवं कवि मोहन सगोरिया, वरिष्ठ विज्ञान लेखक कृष्णकुमार मिश्र ने अपने मन्तव्य प्रकट किए। 'हिन्दी की विश्व चेतना और साहित्य' विषय पर वरिष्ठ कवि, विचारक नंदकिशोर आचार्य की अध्यक्षता में सत्र हुआ। मॉरिशस के वरिष्ठ रचनाकार रामदेव धुरंधर, कथाकार अल्पना मिश्र, आलोचक अच्युतानंद मिश्र, नवीन लोहनी ने वैचारिक भागीदारी की।

'हिन्दी का वैश्विक प्रसार और जनसंचार माध्यम' सत्र पत्रकार-लेखक ओम थानवी की अध्यक्षता में हुआ। पत्रकार प्रियदर्शन, रमा शर्मा (जापान), शिप्रा शिल्पी (जर्मनी), शशि दुकन (मॉरीशस), शालिनी वर्मा (कतर), अपर्णा वत्स (आस्ट्रेलिया), इन्द्रजीत शर्मा (अमेरिका), जवाहर कर्नावट ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन अभिजीत गुप्ता (केन्या) ने किया। 'भोजपुरी भाषा एवं साहित्य के विविध आयाम' पर एकाग्र चर्चा में हिन्दी संगठन, मॉरीशस के अध्यक्ष उदय नारायण गंगू की अध्यक्षता में भोजपुरी भाषा एवं साहित्य के विविध आयामों पर कवि राम तिवारी (बेहरीन), अरविंद बिसेसर (मॉरीशस), आशुतोष (भारत), मदरांचल घिसा दुबे (सूरीनाम) ने अपने पक्ष रखे।

एक अन्य समानान्तर सत्र 'अंतरराष्ट्रीय कथा विमर्श' पर केन्द्रित था। वनमाली कथा के प्रधान संपादक मुकेश वर्मा की अध्यक्षता कुणाल सिंह के संचालन में कथा विमर्श हुआ। कथाकार एवं संपादक अखिलेश (लखनऊ, उत्तरप्रदेश), युवा कथाकार आशुतोष (सागर), कल्पना लालजी (मॉरीशस), जमना बीनी (अरुणाचल प्रदेश) ने कहानी की वैश्विक स्थिति पर अपनी बात रखी।

'हिन्दी शिक्षण में नवाचार और वैश्विक संदर्भ में प्रौद्योगिकी का प्रयोग' विषय विमर्श की अध्यक्षता साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, भारत की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने व सत्र संचालन अमिताभ सक्सेना ने किया। इस वैचारिक सत्र में विजय मल्होत्रा, हिमानी शर्मा (न्यूजीलैंड), बालेंदु दाधीच वेदप्रकाशसिंह (जापान), गुलशन सुखलाल (मॉरीशस), अतिला कोतलावल (श्रीलंका), अंजलि चिंतामणि (मॉरीशस) ने हिस्सा लिया। 'लेखक से मिलिए' श्रृंखला की कड़ी में मॉरीशस के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार रामदेव धुरंधर और प्रहलाद रामशरण से अलका धनपत (मॉरीशस) ने उनके साहित्य सृजन के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बातचीत की।

इसी अवसर पर प्रदर्शनी और कला कार्यशाला का आयोजन भी हुआ। साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की आदमकद प्रतिमा मुक्ताकाश परिसर में स्थापित की गयी। यह मूर्ति टैगोर विवि की ओर से सौजन्य भेंट थी। इसका अनावरण मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन ने किया। इस मूर्ति का निर्माण भोपाल के जाने माने शिल्पकार नीरज अहिरवार ने किया है।

कश्मीरी हिंदू बलिदान दिवस पर आज धार में निकाली भव्य भगवा यात्रा...

कश्मीरी हिंदू एवं हिंदू राष्ट्र की स्थापना तक जारी रहेगा भगवा यात्रा आंदोलन

धार। कश्मीरी हिंदू बलिदान दिवस पर 1 सितंबर रविवार को धार में भव्य भगवा शोभा यात्रा निकली। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में हिंदुओं के शामिल होने से मानों पूरा धार भगवामय नजर आ रहा था। धार शहर के लालबाग से शुरू हुई इस भगवा यात्रा में ढोल- ताशे और बग्घी आकर्षण के केंद्र रहे। यात्रा में शामिल हिन्दु समाजजनों ने संकल्प लिया कि कश्मीरी हिंदू एवं हिंदू राष्ट्र की स्थापना तक जारी रहेगा भगवा यात्रा का आंदोलन । यात्रा में जिले भर से भव्य रूप से हिंदुओं का समागम हुआ।

वृंदावन धाम से पधारे महामंडलेश्वर सत्यश्रेय गिरी जी महाराज साहब के पावन सानिध्य में यह भगवा यात्रा निकाली गई। भगवा परिवार मध्य भारत द्वारा आयोजित इस भगवा यात्रा में आयोजक देवकरण जाट, संरक्षक समाजसेवी समंदर सिंह पटेल, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप पटोंदिया , यात्रा प्रभारी समाजसेवी धर्मेंद्र जोशी, चेतन खेर, महेंद्र सिंह सुनेर, रीमा राठौर, गरिमा रामपाल, यात्रा संयोजक दीपक शर्मा, राजेंद्र जाट ,पप्पू मकवाना, सोनू ठाकुर, योगेश टोकरिया सहित मातृशक्ति एवं उत्साहित युवा शक्ति भी शामिल होकर भगवा यात्रा को भव्य बना रहे थे। भगवा यात्रा का धार शहर में जगह-जगह पर विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

राजवाड़ा पर आयोजित भव्य धर्म सभा में मुख्य वक्ता वृंदावन धाम से पधारे महामंडलेश्वर सत्य श्रेय गिरी जी महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि बगैर कट्टरता के ना तो धर्म बचता है ना ही संस्कृति और ना ही राष्ट्र बचता है। जिस तरह अपनी गौरवशाली संस्कृति की रक्षा के लिए शास्त्र जरूरी है इस प्रकार राष्ट्र की सुरक्षा बिना शस्त्र के संभव नहीं है इसलिए शस्त्र और शास्त्र दोनों को महत्व देना प्रारंभ कर दीजिए। पूरी दुनिया से इजरायली युवा (यहूदी) अपने काम छोड़कर इसराइल लौट रहे हैं ताकि अपने देश और धर्म की रक्षा कर सकें। यही वह जज्बा है जो एक राष्ट्र को अजेय बनाता है । राष्ट्र के लिए मान सम्मान रहे हर एक दिल में हिंदुस्तान रहे देश के लिए एक दो तारीख नहीं ,भारत मां के लिए हर सांस रहे। मेरी जान भगवा है, देश का सम्मान भगवा है। राष्ट्र से बड़ा कोई नहीं, राष्ट्र की पहचान भगवा है। एक संन्यासी होने के नाते मेरा कर्तव्य है सनातन को संगठित करना। हाथ जोड़कर एक सन्यासी कह रहा है अपने भविष्य के लिए संगठित हो जाओ बस यही मेरी भिक्षा है। अपार जन सैलाब है, एक सनातनी, एक हिंदू और एक भारत बस यही मेरी भगवा यात्रा है। संचालन रोहित शर्मा ने किया। आभार रीमा राठौर ने माना।

भाजपा संगठन ही समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति की चिंता करता है: केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

भाजपा संगठन के मोर्चा व प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक जिला कार्यालय में संपन्न

धार। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देश पर भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया, जिला उपाध्यक्ष नीलेश भारती ने रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में धार जिले की मोर्चा व प्रकोष्ठ की आयोजित संयुक्त बैठक को संबोधित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मालती पटेल भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेंद्र राठौर,दीपक शर्मा मोर्चा जिला अध्यक्ष क्रमशः पूनमचंद फकीरा बृजेंद्र सिंह चौहान महेंद्र सिंह मेरती जहांगीर लाल कुसुम सोलंकी मंचासीन रहे ।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने संयुक्त मोर्चा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन ही समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति की चिंता करता है। देश में लगभग 1500 और दुनिया में अनेक राजनीतिक दल हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही आंतरिक चुनाव से पहले सदस्यता की प्रक्रिया होती है और इस प्रक्रिया के उपरांत ही बूथ स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक चुनाव होते हैं। लोकतंत्र की यह भावना ही भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाती है। इसलिए

भाजपा के कार्यकर्ता सभी मतदाताओं को पार्टी का संकल्प लेकर मैदान में उतरें, सभी कार्यकर्ताओं को मैं सदस्यता अभियान के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि भाजपा संगठन से हर वर्ग के लोग जुड़े। देश में विरोधी ताकतों को रोकना है तो संगठन को और अधिक मजबूत करना होगा यह कार्य भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ही कर सकता है। सभी मोर्चे और प्रकोष्ठ के पदाधिकारी इस सदस्यता अभियान में तन मन से लगकर अधिक से अधिक भाजपा के सदस्य जोड़ें। आगामी 2 सितंबर को 8800002024 पर मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल के माध्यम से सामान्य रूप से सदस्य बन सकेंगे। मिस्ड कॉल करने के पश्चात आए हुए एसएमएस के माध्यम से लिंक को खोलकर निर्धारित प्रारूप में चाही गई सभी जानकारी को भरने के पश्चात फॉर्म सबमिट होगा और आप भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन जाएंगे। पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी को कम से कम 100 प्राथमिक सदस्य बनना अनिवार्य होगा। संयुक्त मोर्चा बैठक में अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने 55 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया है इसी प्रकार युवा मोर्चा ने 50 हजार पिछड़ा वर्ग मोर्चा 50 हजार महिला मोर्चा 50 हजार किसान मोर्चा 40 हजार अनुसूचित जाति मोर्चा 11 हजार अल्पसंख्यक मोर्चा 10 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया है।

दिलीप पटोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा से अगर कोई जुड़ता है तो वह कार्यकर्ता विचारों से जुड़ता है पंच निष्ठा को लेकर चलता है केंद्र और प्रदेश की सरकार प्रत्येक परिवार को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। बैठक में खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक लाखन सिंह नवासा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक पंडित सोहन बिल्लोरे मोर्चा और प्रकोष्ठ पदाधिकारी सहित भाजपा के अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संयुक्त कार्यशाला का संचालन जिला सह कार्यालय मंत्री विवेक गौड़ व आभार किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा खरसोड़ा ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

देवास पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 84 वारंटियों को धरदबोचा ,हुई बड़ी कार्यवाही

देवास। पुलिस अधीक्षक श्री सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री आकाश भूरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (याता.) श्री हरनारायण बाथम के निर्देशन में 08 डीएसपी, रक्षित निरीक्षक,23 थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने बल के साथ स्वयं रात्रि में कॉम्बिंग गश्त कर सतत् मॉनीटरिंग की गई ।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान देवास पुलिस के द्वारा हिस्ट्रीशीटर/बदमाशों की चेकिंग करते कुल 102 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 169 गुंडा/बदमाशों तथा कुल 32 जिलाबदर बदमाशों को चेक करते कुल 303 हिस्ट्रीशीटर/गुंडा बदमाशों एवं जिलाबदर बदमाशों की चैकिंग की गई ।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान देवास पुलिस के द्वारा अवैध शराब के कुल 16 प्रकरणों में 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 63 लीटर कुल कीमती 17800 रू की अवैध शराब जप्त की गई । कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों सहित समस्त थानों की 40 गश्त पार्टियों में कुल 500 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा गश्त की कार्यवाही को अंजाम दिया गया ।

पुलिस अधीक्षक देवास श्री सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री आकाश भूरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री हरनारायण बाथम के मार्गदर्शन में समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों,थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु समय समय पर कॉम्बिंग गश्त का आयोजन किया जाता रहा है । इसी क्रम में दिनांक 31.08.2024 एवं 01.09.2024 की दरम्यानी रात्रि को समस्त राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारी,थाना/चौकी प्रभारियों समेत जिले के 500 से अधिक पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा संयुक्त रूप से रात्रि में संपूर्ण जिले में कॉम्बिंग गश्त की गई ।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले में निम्न महत्वपूर्ण कार्यवाहियां की गई -1. कुल 29 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किये गये जिनमें थाना कोतवाली- 03,थाना औद्योगिक क्षेत्र- 03,थाना बैंक नोट प्रेस- 03,थाना टोंकखुर्द- 02, थाना बरोठा- 03,थाना भौरांसा- 01,थाना सोनकच्छ- 03,थाना हाटपीपल्या- 01,थाना उदयनगर- 02,थाना सतवास- 02,थाना खातेगांव- 05, थाना नेमावर- 01 के द्वारा स्थायी वारंट तामिल कराये गए ।

2. इसी प्रकार जिले में कार्यवाही के दौरान कुल 55 गिरफ्तारी वारंटियों की भी धरपकड़ की गई जो थाने अनुसार है- थाना कोतवाली- 05,थाना औद्योगिक क्षेत्र- 02,थाना बैंक नोट प्रेस- 07,थाना नाहर दरवाजा- 06,थाना सिविल लाईन- 07,थाना विजयागंज मण्डी- 02,थाना बरोठा- 03,थाना भौरांसा- 05,थाना सोनकच्छ- 04,थाना पीपलरवां- 01,थाना हाटपीपल्या- 03,थाना उदयनगर- 06,थाना नेमावर- 01,थाना हरणगांव- 03 के द्वारा कार्यवाही की गई ।

3.कॉम्बिंग गश्त के दौरान देवास पुलिस के थाना टोंकखुर्द द्वारा लगभग 06 वर्ष पुराने 2018 के प्रकरण क्रमांक 457/14 धारा 342,323,325,504,506,34 भादवि व प्रकरण क्रमांक 175/14 धारा 323,506,294 भादवि के कुल दो स्थायी वारंट के वारंटी घनश्याम जाट पिता आत्माराम जाट उम्र 45 साल नि. सिहाना थाना क्षिप्रा जिला इंदौर तथा चौकी डबल चौकी थाना बरोठा के लगभग 05 वर्ष पुराने 2019 के स्थायी वारंटी अनिल बामनिया को गिरफ्तार करने में बडी सफलता मिली है ।

बड़ी उपलब्धि

मध्य प्रदेश को फिर मिला 'सोया प्रदेश' का ताज

● महाराष्ट्र, राजस्थान को पीछे छोड़ा, 5.47 मिलियन टन उत्पादन के साथ देश में पहला स्थान

भोपाल। मध्य प्रदेश ने सोयाबीन उत्पादन में अपने निकटतम प्रतियोगी राज्यों महाराष्ट्र और राजस्थान को पीछे छोड़ते हुए फिर से 'सोयाबीन प्रदेश' बनने का ताज हासिल कर लिया है। भारत सरकार के जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश 5.47 मिलियन टन सोयाबीन उत्पादन के साथ पहले नंबर पर आ गया है। देश के कुल सोयाबीन उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 41.92 प्रतिशत है। महाराष्ट्र 5.23 मिलियन टन के साथ दूसरे नंबर पर । देश के कुल उत्पादन में महाराष्ट्र का योगदान 40.01 प्रतिशत है जबकि राजस्थान 1.17 मिलियन टन उत्पादन के साथ तीसरे नंबर पर है और देश के कुल सोया उत्पादन में राजस्थान का योगदान 8.96 प्रतिशत है। पिछले दो सालों में मध्य प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन में कमी आने से मध्य प्रदेश पिछड़ गया था। वर्ष 2022-23 में महाराष्ट्र 5.47 मिलियन टन उत्पादन के साथ प्रथम स्थान पर था और देश के कुल सोयाबीन उत्पादन में 42.12 प्रतिशत का योगदान था और जबकि मध्य प्रदेश 5.39 मिलियन टन के साथ दूसरे नंबर पर था। देश के कुल सोया उत्पादन में योगदान 41.50 प्रतिशत था। इसके पहले 2021-22 में भी महाराष्ट्र 6.20 मिलियन टन उत्पादन के साथ प्रथम स्थान पर था और देश के सोयाबीन उत्पादन में 48.7 प्रतिशत का योगदान था जबकि मध्य प्रदेश 4.61 मिलियन टन के साथ दूसरे नंबर पर था। देश के कुल उत्पादन में इसका योगदान 35.78 प्रतिशत था। इसके एक साल पहले 2020-21 में मध्य प्रदेश 5.15 मिलियन टन उत्पादन के साथ पहले स्थान पर रहा था और देश के कुल सोयाबीन उत्पादन में 45.05 प्रतिशत का योगदान था। इस साल महाराष्ट्र 4.6 मिलियन टन उत्पादन के साथ दूसरे नंबर पर था और राजस्थान तीसरे नम्बर पर था। प्रदेश में सोयाबीन का रकबा 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में 1.7 प्रतिशत बढ़ा और क्षेत्रफल पिछले साल 5975 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 2023-24 में 6679 हेक्टेयर हो गया है। सोयाबीन का क्षेत्रफल बढ़ने से उत्पादन भी बढ़ा ।

पिछले साल 2022-23 में सोयाबीन उत्पादन 6332 हजार मैट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 6675 हजार मैट्रिक टन हो गया। पिछले वर्षो में सोयाबीन उत्पादन और क्षेत्रफल में उतार-चढ़ाव होता रहा। सोयाबीन के क्षेत्रफल में वर्ष 2018-19की तुलना में वर्ष 2019-20 में 14.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोयाबीन क्षेत्रफल 2018-19 में 5019 हजार हेक्टेयर था जो 2019-20 में बढ़कर 6194 हज़ार हेक्टेयर हो गया। इसी दौरान सोयाबीन का उत्पादन 2018-19 में 5809 हज़ार मिट्रिक टन था जो बढ़कर 2019-20 में कम होकर 3856 मैट्रिक टन हो गया। सोया उत्पादन में 33.62 प्रतिशत की कमी आई।

इंदौर में भारी बारिश के आसार, 2 और 3 सितंबर को जमकर बरसेंगे बादल

इंदौर, एजेंसी। इंदौर शहर में अगले सप्ताहभर बारिश की बूंदों का शोर कायम रहेगा। अभी तक दिन में कभी-कभार स्थानीय स्तर पर बादल बनने के कारण तेज बौछारें देखने को मिल रही हैं। अगले सप्ताहभर शहर में बारिश की निरंतरता रहेगी और दो दिन भारी बारिश होने की संभावना है। ऐसे में इंदौर शहर अगले सप्ताह बारिश से तरबतर रहेगा। दो दिन तो दिनभर लगातार बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक अभी तक दक्षिण ओड़?िशा व उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश में जो कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ था वो अवदाब में तब्दील हो गया है।

एआईजे का 513वें पत्रकार सम्मेलन में कई राज्यों के सैकड़ों पत्रकार शामिल

● केंद्रीय मंत्री और प्रदेश कैबिनेट मंत्री ने आयोजन में शिरकत की

एसएमएस हॉस्पिटल ने पत्रकार जगत के हित में भारी छूट प्रदान की

थांदला (झाबुआ)। आदिवासी अंचल थांदला में भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) का पत्रकार सम्मेलन शनिवार को हुआ। इस 513वें आयोजन में कई राज्यों के एक हजार से ज्यादा प्रतिष्ठित पत्रकार साथी शामिल हुए। इस आयोजन में पत्रकार जगत के हित के लिए भारतीय पत्रकार संघ ने एक और चिकित्सा संस्थान एसएमएस (शिव्यांशु मल्टीस्पेशलिटी) हॉस्पिटल, वड़ोदरा से एक और एमओयू साइन की घोषणा हुई। एसएमएस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ मृगांक भावसार ने अपने हॉस्पिटल में इलाज कराने वाले पत्रकार साथियों के लिए 50 प्रतिशत रियायत की घोषणा की।

इस आयोजन के मुख्य अतिथियों में केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, मप्र की कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया, नवभारत समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी, सुबह सवेरे संपादक हेमंत पाल, संझा लोकस्वामी संपादक जीतू सोनी समेत कई वरिष्ठ पत्रकार शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन ने की। कार्यक्रम के विशेष अतिथि भाजपा संगठन के झाबुआ के प्रभारी हरिनारायण यादव, पूर्व विधायक कलसिंह भूरिया, थांदला की नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा, संगीता विश्वास सोनी, माया सोलंकी और एआईजे की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपा भारद्वाज थे।

इस आयोजन में एआईजे के राष्ट्रीय संरक्षक क्रांति चतुर्वेदी ने बताया कि ग्रामीण इलाकों के पत्रकार बेहद चुनौती का कार्य करते हैं। यह संगठन पिछले 11 सालों से लगातार इन सबके साथ देशभर के पत्रकारों के लिए कार्य कर रहा है। यह संगठन सबकी चिंता करता है। मार्गदर्शक के रूप मे वरिष्ठ पत्रकार हेमंत पाल ने बताया कि पत्रकार जगत की एकजुटता में एआईजे देश का सबसे अग्रणी संगठन है, देशभर में इनके आयोजन लगातार होते हैं, मैं इस संगठन के साथियों की एकता को नमन करता हूं। लोकस्वामी के संपादक जीतू सोनी ने बताया कि वे इस संगठन के पहले संरक्षक रहे हैं। उन्होंने इसके विस्तार में विक्रम सेन के साथ मिलकर काफी प्रयास किया है।

मुख्य अतिथि और केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने पत्रकार साथियों के इतने बड़े आयोजन की हृदय से प्रशंसा की, उन्होंने अपनी और से पत्रकार जगत के हितार्थ समर्पित भाव को दर्शाया। प्रदेश की के कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने इस ऐतिहासिक आयोजन के विराट स्वरूप पर सुखद आश्चर्य के बारे में बताया। पत्रकार साथियों के इस आयोजन को झाबुआ जिले में करने पर एआईजे को धन्यवाद दिया। केंद्रीय तथा प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकार साथियों के हित में खड़े रहने की प्रतिबद्धता पर भूरिया ने अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। अध्यक्ष विक्रम सेन ने इस आयोजन में शामिल हुए सभी सम्मानीय साथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन प्रदेश संयोजक सलीम भाई शेरानी और पत्रकार पवन नाहर ने किया।

पत्रकारों के लिए हॉस्पिटल में सुविधा

इस हॉस्पिटल में 5 सर्वसुविधा युक्त ऑपरेशन थियेटर हैं यहां 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध रहती हैं। इसमें रोबोटिक सर्जरी से ज्वाइंट रिप्लेसमेंट किया जाता हैं। यहां हार्ट सर्जरी और एंजियोप्लास्टी का काम भी सबसे विश्वसनीय तरीके से बेहद कम लागत पर करने की घोषणा की। इसके अलावा हॉस्पिटल में उपलब्ध आईसीयू बेड, सोनोग्राफी, डायलिसिस की बेहतर सुविधा भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जा रही हैं। विदित हो कि करीब 27 चिकित्सा संस्थान और शिक्षा संस्थानों से एआईजे के अनुबंध हैं जिनके द्वारा पत्रकार जगत के साथियों को बेहतर और नियमित लाभ प्राप्त होता हैं।

श्रीलंका महाबोधि सोसायटी प्रमुख वानगल उपतिस्स नायक थेरो ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से की भेंट

प्रधानमंत्री को विश्व शान्ति का संदेश देने वाला क्षमतावान नेता बताया

नवंबर में होने वाले वार्षिक मेले के लिए दिया निमंत्रण

अंबुज माहेश्वरी

भोपाल। श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख और लंकाजी टेंपल जापान के संघनायक पूज्य वानगल उपतिस्स नायक थेरो ने गत दिवस प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर सांची में भगवान बुद्ध के परम शिष्यों अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महा मौद्गल्यायन की पवित्र अस्थियां के कलश सांची में दर्शन की व्यवस्था करने मॉन्यूमेंट बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने सारिपुत्त और महा मौद्गल्यायन के अस्थि कलश थाईलैंड आयोजन उपरांत भारत आने एवं सांची तक सफल कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया । श्री थेरो ने नवंबर माह में आयोजित होने वाले वार्षिक मेले में आने के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया। श्री थेरो ने करीब आधे घंटे तक प्रधानमंत्री से विश्व शान्ति स्थापित करने से जुड़े विषयों पर चर्चा की। श्री थेरो ने प्रधानमंत्री को विश्व में शान्ति का संदेश देने वाला क्षमतावान नेता बताते हुए कहा विश्व के देशों में श्री मोदी लोकप्रिय हैं। प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु, बौद्ध धर्म के पुनरुद्धारकर्ता एवं लेखक स्व अनागरिक धम्मपाल का पासपोर्ट भी इस दौरान श्री थेरो ने प्रधानमंत्री को दिखाया। श्री थेरो के सांची आने के निमंत्रण दिए जाने पर

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सांची आने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि श्री थेरो की स्कूली शिक्षा सांची में हुई है और वे श्रीलंका महाबोधि सोसायटी सांची के प्रमुख हैं। उनके नेतृत्व में महाबोधि सोसायटी ने धम्म दीक्षा के कई कार्य संपन्न हुए जिनकी विश्व सराहना हुई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद लेखक शकील सिद्दीकी ने स्वयं द्वारा श्री थेरो पर लिखी बायोग्राफी प्रधानमंत्री को भेंट की जिसे देखकर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा आप लिखते रहिए। सांची भिक्षु इंचार्ज स्वामी विमल तिस्स थेरो भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनाएं दी- श्री थेरो ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 17 सितंबर को अनागरिक धम्मपाल का जन्मदिन भी है तब वे बाहर होंगे इसलिए पूर्व में आकर प्रत्यक्ष बधाई देना चाहा। श्री थेरो ने पिछले वर्ष जापान एवं श्रीलंका में मनाए गए पीएम श्री मोदी के जन्मदिन की तस्वीरें भी दिखाई जिन्हें देखकर पीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की। श्री थेरो ने बताया कि इस वर्ष भी दोनों देश में आपका जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया जायेगा।

पंचायत सचिव अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में बदलाव

● 3 की बजाय 7 साल तक कर सकेंगे आवेदन, अप्रैल 2018 से लागू होगी व्यवस्था

भोपाल। मध्य प्रदेश की 23 हजार पंचायतों में पदस्थ पंचायत सचिवों के हित में राज्य सरकार ने फैसला लिया है। सरकार ने तय किया है कि अगर किसी पंचायत सचिव की सेवाकाल के दौरान असमय मृत्यु हो जाती है तो उसके परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति देने का काम अब सात साल की अवधि में किया जा सकेगा। पहले इसके लिए तीन साल की समय सीमा थी और इस अवधि तक

जीवन गंवाने वाले पंचायत सचिव के परिवार का सदस्य निर्धारित योग्यता नहीं रखता था तो उसके परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ नहीं मिल पाता था। इससे पंचायत सचिव पद पर अनुकम्पा नियुक्ति के साढ़े तीन से अधिक पेंडिंग मामलों में अब तेजी आ सकेगी। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने इसके लिए विभागीय नियमों में बदलाव के बाद सभी कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नए नियमों के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति देने के आदेश जारी किए हैं। विभाग के उपसचिव द्वारा जारी आदेश में कहा है कि ग्राम पंचायत सचिव की सेवाकाल में मृत्यु की दशा में अनुकम्पा नियुक्ति को लेकर 15 नवम्बर 2017 को आदेश जारी किया गया था। इसमें यह व्यवस्था थी कि अनुकम्पा नियुक्ति की पात्रता ग्राम पंचायत सचिवों की मृत्यु तारीख से तीन साल तक रहेगी। अब सरकार ने इसमें संशोधन कर दिया है। पंचायत सचिवों की मृत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति को लेकर पहले यह दिक्कत थी कि जिलों में जगह नहीं होने पर मृतक के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिलती थी।

कही-सुनी

अफसरों के तबादले में सांसद-विधायकों का पासा

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कहते हैं छत्तीसगढ़ में सरकारी अफसरों और कर्मचारियों के तबादले में भाजपा के सांसद और विधायक अपना-अपना पासा फेंक रहे हैं। सांसद और विधायकों के पासे में राज्य के मंत्री ही उलझने लगे हैं। चर्चा है कि रायपुर से सटे एक विधानसभा क्षेत्र में पदस्थ एक अधिकारी को लेकर संगठन ने नाखुशी जाहिर की और विभागीय मंत्री को अफसर के तबादले का सुझाव दिया। खबर है कि संगठन के सुझाव पर मंत्री ने अफसर का तबादला दूसरी जगह कर दिया। इस अफसर की पोस्टिंग वहां पर कांग्रेस राज में हुई थी, लेकिन अफसर के तबादले के विरोध में विधायक खड़े हो गए। मंत्री ने संगठन के सुझाव पर अफसर के तबादले की जानकारी विधायक महोदय को दी और वहां पोस्टिंग के लिए दूसरे अधिकारी का नाम देने का आग्रह किया। विधायक ने दूसरा नाम दिया और उसकी वहां पोस्टिंग हो गई, पर पहले वाला अफसर विधायक के नाम से गला फाड़ रहा है,पर कर क्या सकता है? चर्चा है कि एक ही विधानसभा में विधायक किसी अधिकारी और कर्मचारी की सिफारिश करता है, तो उसके उलट सांसद सिफारिश कर देता है। बताते हैं सांसद और विधायकों के तबादले के खेल में मंत्री उलझन में हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस को मिल सकता है नया महासचिव

कांग्रेस हाईकमान ने छत्तीसगढ़ के दोनों प्रभारी सचिव चंदन यादव और सप्तगिरि उल्का को बदल दिया है, उनकी जगह नई नियुक्ति कर दी है। कहते हैं दोनों प्रभारी सचिवों को छत्तीसगढ़ में लंबा वक्त हो गया था। इस कारण दोनों को बदला गया। वैसे विधानसभा चुनाव के बाद चंदन यादव सुर्ख़ियों में रहे। कहा जा रहा है कि दोनों नए प्रभारी सचिव एस ए संपथ कुमार और जरिता लैटफलांग की नियुक्ति राहुल गांधी की पसंद से की गई है। दोनों उनकी टीम के सदस्य कहे जा रहे हैं। खबर है कि जल्दी ही राहुल गांधी की टीम के ही किसी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी महासचिव बनाया जा सकता है। चर्चा है कि वर्तमान प्रभारी महासचिव सचिन पायलट को राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। हवा तो यह भी है कि सितंबर महीने में छत्तीसगढ़ कांग्रेस को भी नया अध्यक्ष मिल जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के एक दावेदार के अगले हफ्ते दिल्ली यात्रा से इस हवा को बल मिल गया है।

सुर्ख़ियों में देवेंद्र यादव

भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव इन दिनों सुर्ख़ियों में हैं। बलौदाबाजार कांड के आरोपी के तौर पर जेल में बंद देवेंद्र यादव के लिए हफ्तेभर पहले राज्य के कांग्रेस नेता सड़क पर संघर्ष करते दिखे, तो अब कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें सिर-आंखों बैठा लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव बनाकर बिहार का इंचार्ज बना दिया है। कांग्रेस हाईकमान ने जेल में बंद नेता को राष्ट्रीय पदाधिकारी बनाकर नया उदाहरण पेश कर दिया है। छत्तीसगढ़ के शासन और प्रशासन की नजर में देवेंद्र यादव भले ही आरोपी हैं, पर कांग्रेस हाईकमान के लिए तो वे हीरो हो गए हैं।कहते हैं कि देवेंद्र यादव की पकड़ दिल्ली में तगड़ी बन गई है। राज्य के कुछ नेताओं के न चाहने के बाद भी वे दिल्ली से बिलासपुर लोकसभा की टिकट ले आए। यह अलग बात है कि वे जीत नहीं पाए।

भाजपा नेता का प्रयास रंग लाया

कहते हैं कि छत्तीसगढ़ के एक भाजपा नेता के प्रयासों के कारण ही महादेव ऐप सट्टा कांड की जांच सीबीआई के सुपुर्द हुआ। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने महादेव ऐप सट्टा को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था और राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद महादेव ऐप सट्टा कांड की सीबीआई जांच का ऐलान भी हो गया, लेकिन अफसरशाही की हीलाहवाली के चलते उच्चस्तरीय जांच हवा में झूलती रही। सरकार बनने के करीब छह महीने बाद भी महादेव ऐप सट्टा कांड की जांच का परदा नहीं खिसकने पर 30 जून 24 को सारे तथ्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मेल किया। मेल पर एक्शन हुआ और 21 जुलाई को महादेव ऐप सट्टा कांड की जांच सीबीआई से कराने के लिए राज्य के आला अफसरों को भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय का संदेश आ गया। आखिरकार अगस्त महीने में महादेव ऐप सट्टा कांड की जांच सीबीआई के पास चली गई। कहते है महादेव ऐप सट्टा कांड में कुछ राजनेता और पुलिस के आला अफसरों की भूमिका संदेह में है।

सवालों के घेरे में जीएडी

कहते हैं आईएएस जनक पाठक के बिलासपुर संभाग के कमिश्नर पद पर नियुक्ति और दो घंटे के भीतर ही संशोधन के मामले में राज्य का सामान्य प्रशासन विभाग सवालों के घेरे में आ गया है। 2007 बैच के आईएएस जनक पाठक साल 2020 में जांजगीर के कलेक्टर रहते विवादों में उलझ गए थे। सरकार को उन्हें निलंबित करना पड़ा था। जनक पाठक पर हाईकोर्ट की कृपा हुई और सेवा में उनकी वापसी हो गई, लेकिन जांजगीर का केस अभी सुलझा नहीं हैं और उनके प्रमोशन का मामला भी लटका है। ऐसे में जनक पाठक को बिलासपुर संभाग का कमिश्नर बनाए जाने पर सामान्य प्रशासन विभाग कटघरे में आ गया है। जांजगीर जिला बिलासपुर संभाग में ही आता है। आदेश से पहले वस्तुस्थिति की जानकारी निर्णयकर्ता को क्यों नहीं दी गई ? चर्चा है कि कुछ अफसरों ने आदेश निकलवा दिया, पर जैसे ही भाजपा संगठन को जनक पाठक के आदेश का पता चला, उसे निरस्त करवाने में जुट गया। भाजपा संगठन के हस्तक्षेप से जनक पाठक का तबादला आदेश दो घंटे में निरस्त हो गया और उन्हें कमिश्नर उच्च शिक्षा के पद पर यथावत पदस्थ कर दिया गया।

एक विभाग में सीनियरों के रहते जूनियरों को ताज

कहते हैं आमजनता से सीधे जुड़े एक विभाग में खेला चल रहा है। चर्चा है कि इस विभाग में अनुभव से ज्यादा मालपानी का बोलबाला है।इस कारण वरिष्ठ अफसरों की जगह कनिष्ठ अफसरों को जिलों में प्रभार दिया जा रहा है। खबर है कि यह सब कुछ विभागीय मंत्री के नाक के नीचे हो रहा है। वैसे भी इस विभाग के मंत्री काफी सुर्ख़ियों में रहते हैं। विभाग और कुछ संस्थानों को सुधारने की बात करते हैं, पर धरातल में कुछ और ही नजर आता है। विभाग में अनुभवी और वरिष्ठों को इंचार्ज नहीं बनाने से अंदर ही अंदर आग सुलग रही है। कब विस्फोट हो जाय, पता नहीं। विभाग में कहीं बांग्लादेश या कोलकाता के नज़ारे देखने को न मिल जाय।

महीना पूरा नहीं कर पाए गृह सचिव और कमिश्नर

कहते हैं डॉ सी आर प्रसन्ना गृह सचिव और नीलम एक्का बिलासपुर संभाग के कमिश्नर के तौर पर एक महीना भी काम नहीं कर पाए और बदल दिए गए। सरकार ने डॉ प्रसन्ना को 12 अगस्त को गृह विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी थी और 30 अगस्त को यह जिम्मेदारी वापस ले ली। सरकार ने उनकी जगह हिमशिखर गुप्ता को गृह विभाग की जिम्मेदारी दे दी। नीलम एक्का करीब 28 दिन ही बिलासपुर संभाग के कमिश्नर रह पाए। कहते हैं उनके एक निर्णय से सरकार नाराज हो गई और उन्हें कमिश्नर के पद से हटा दिया और अभी कोई काम भी नहीं सौंपा है। नीलम एक्का को गृह सचिव के पद से कमिश्नर बिलासपुर बनाकर भेजा गया था। सरकार ने नीलम एक्का की जगह जनक पाठक को कमिश्नर बनाया। वे चार्ज भी नहीं ले पाए और आदेश बदल गया। फिर रायपुर के कमिश्नर महादेव कावरे को बिलासपुर कमिश्नर का अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया।